सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 257 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 30 जून 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

आखिरी बार देख लो : स्टेटस लिख युवक ने लगाई फांसी, घर से 200 मीटर दूर मिला शव

कोरबा। वनांचल ग्राम बोतली में उस समय सनसनी फैल गई, जब गांव से महज दो सौ मीटर दूर एक युवक की लाश उसके ही खेत के महुआ पेड़ में फांसी के फंदे पर लटके मिली। पुलिस के हाथ मृतक का मोबाइल लगा है, जिसके स्टेटस में उसने कुछ ही घंटे पहले आखिरी बार देख लेने का जिक्र किया था। उसके दोस्तों ने स्टेटस में लिखे वाक्य को लेकर कमेंट भी किया है। पुलिस ने तह तक जाने फॉरेंसिक एक्सपर्ट व डॉग स्क्वायड की भी मदद ली। मामले में विभिन्न बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

बताया जा रहा है करतला थानांतर्गत ग्राम बोतली में रायसिंह राठिया निवास करता है। उसकी पत्नी की कुछ साल पहले मौत हो गई। इसके बाद से ही खेती किसानी सहित घर की जवाबदारी उसका 19 वर्षीय पुत्र सांझी लाल राठिया संभाल रहा था। वह रात भोजन उपरांत अपने कमरे में जाकर सो गया। सुबह परिजनों की नींद खुली तो सांझी अपने कमरे में नहीं था। परिजन उसके खेती किसानी के काम से जाने की सोच निश्चत थे। परिजनों को उस वक्त झटका लगा, जब कुछ ग्रामीण डोरी तोड़ने जंगल की ओर जा रहे थे। उनकी नजर फांसी के फंदे पर लटक रही युवक की लाश पर पड़ी। ग्रामीणों ने करीब जाकर देखा अपने ही खेत में महुआ पेड़ पर फंदे में लटका था। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी कृष्ण कुमार वर्मा अपनी टीम के साथ पहुंचे। मामले की तह तक जाने फॉरेंसिक एक्सपर्ट के अलावा डॉग स्क्वायड की भी मदद ली गई। संयुक्त टीम को निरीक्षण उपरांत मामला आत्महत्या का प्रतीत हुआ। खास तो यह है कि पुलिस को निरीक्षण के दौरान मृतक का मोबाइल हाथ लगा है।

साली की करतूत: जीजा संग बनाया प्रेमी का अश्लील वीडियो, करने लगी ब्लैकमेल

भिलाई। महिला ने अपनी बहन के पति के साथ मिलकर ब्लैकमेलिंग की साजिश रची। दोनों ने मिलकर एक प्राइवेट कंपनी के कर्मचारी जितेंद्र के साथ अश्लील वीडियो बनाया। फिर वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर उससे 2 लाख रुपए वसूल लिया। उसके बाद फिर तीन लाख मांगने लगे। तब जितेंद्र ने पुलिस में शिकायत की। नंदिनी पुलिस ने महिला दामिनी सोनी और असलम रफीक उर्फ चिंटू के खिलाफ धारा 308(2), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर आरोपी असलम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वहीं दामिनी फरार हो गई है।

पुलिस ने बताया कि आरोपिया दामिनी ने अपने जीजा असलम उर्फ चिंटू के साथ मिलकर क्सटॉर्शन और ब्लैकमेलिंग करने की कहानी रची। आरोपी असलम ने पुलिस को बताया कि उसकी साली दामिनी ने जितेन्द्र को अपने घर में बुलाया। और दूसरे कमरे में उसके साथ अश्लील कृत्य की और उसका वीडियो बना लिया। सात सिंतबर 2024 को असलम और दामिनी जितेन्द्र के घर पहुंचे और उसे अश्लील वीडियो दिखाकर दो लाख की मांग की। दामिनी ने धमकी दी कि पैसा नहीं दिया तो वीडियो को वायरल कर देगी। समाज में रहने लायक नहीं रहेगा। डर कर जितेन्द्र ने उसे दो लाख रुपए दे दिए। इसके बावजूद असलम और दामिनी उसे ब्लैकमेल करने लगे। उससे तीन लाख रुपये और मांगने लगे। जिससे परेशान होकर प्रार्थी जितेन्द्र साहू ने इसकी शिकायत नंदिनी पुलिस ने दर्ज की।

मानसून : सभी 33 जिलों में यलो अलर्ट, बस्तर-सरगुजा में चलेगी तुफानी हवा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में आज यलो अलर्ट जारी किया है। रायपुर समेत 11 जिलों भारी बारिश हो सकती है। बाकी जिलों में बादल छाए रह सकते हैं। कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इस बीच सरगुजा और बस्तर संभाग के लिए अलर्ट जारी किया गया था। यहां 30-40 किमी की रफ्तार से हवा चल सकती है। बौछारें पड़ सकती है। बिजली गिर सकती है।

पिछले 24 घंटे की बात करें तो राज्य के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई, बलरामपुर जिले के कुछ क्षेत्रों में भारी वर्षा हुई है। वहीं तापमान की बात करें तो राजनांदगांव में अधिकतम तापमान 31.0 डिग्री सेल्सियस और पेण्ड्रारोड में न्यूनतम तापमान 19.7 डिग्री सेल्सियस रहा।

पिछले 24 घंटों मे चांदों में 70 मिलीमीटर, बलरामपुर में 50 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। सुकमा, बागबाहरा, गंगालूर, चंद्रपुर, नांदघाट, कोमाखान, पिथौरा में 30 मिली मीटर सरायपाली रही। इसके अलावा दुर्ग, अजगरबहार, वाड्रफनगर, बटोली, सरिया, पल्लारी, कोरबा, रायपुर सहित कई अन्य जगहों पर 10 से 20 मिली मीटर बारिश हुई।

मई माह में हुई थी ज्यादा बारिश

पिछले माह लगातार बने सिस्टम और करीब 14 दिन पहले आए मानसून ने पूरे छत्तीसगढ़ में मई महीने में जमकर बारिश कराई। इस दौरान औसत से 373 फीसदी ज्यादा पानी गिर गया। इसके बाद से मानसून पिछले करीब 12 दिनों से ठहरा है। यह आगे ही नहीं बढ़ रहा है। छत्तीसगढ़ में 22 मई से 28 मई के बीच 53.51 मिलीमीटर औसत बारिश हो चुकी है। प्रदेश में मानसून में औसतन 1200 मिलीमीटर पानी बरसता है। पिछले साल 1276.3 एमएम पानी गिरा था।

पिछले साल से तापमान कम

हालांकि इस बार की स्थित पिछले साल के मुकाबले बेहतर है। साल 2024 में जून का अधिकतम तापमान 45.7 डिग्री था, जो 1 जून को दर्ज किया गया था। जबकि इस साल अधिकतम तापमान अब तक 42 से 43 डिग्री के आस-पास ही रहा है। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान 23.5 डिग्री 19 जून को रिकॉर्ड किया गया था। पिछले साल जून में पूरे महीने के औसत तापमान की बात करें तो 38.6 डिग्री व न्यूनतम औसतन तापमान 27.7 डिग्री दर्ज किया गया था।

चीफ सेक्रेटरी की कुर्सी खाली, रेस में सुब्रत साहू व मनोज पिंगुआ आगे

छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव अमिताब जैन आज हो रहे हैं रिटायर

श्रीकंचनपथ न्यूज

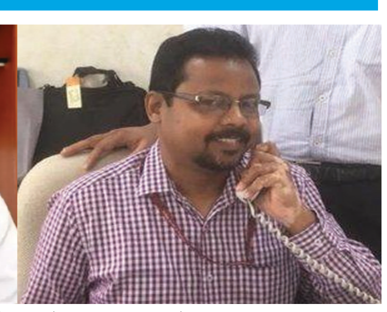

रायपुर। छत्तीसगढ़ मुख्य सचिव की कुर्सी सोमवार को खाली हो रही है। आईएएस अमिताभ जैन सोमवार को रिटायर हो रहे हैं। उनकी जगह अगले मुख्य सचिव की नियुक्ति की जानी है। छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव की रेस में सबसे आगे सुब्रत साहू हैं। वहीं मनोज पिंगुआ के नाम की भी चर्चा है। जल्द ही इसका ऐलान हो सकता है। इसे लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्यपाल से मुलाकात की है। घोषणा के बाद ही तय होगा कि छत्तीसगढ़ का मुख्य सचिव कौन बनता है।

मुख्य सचिव बनाए जाने में बड़ा नाम सुब्रत साहू का सामने आ रहा है। सुब्रत साहू छत्तीसगढ़ कैडर के 1992 बैच के आईएएस है। एक सर्वे ने सुब्रत साहू को देश के 50 प्रभावशाली आईएएस में शामिल किया था। मुख्य सचिव बनाए जाने में दूसरे नंबर पर चॉइस सुब्रत हैं। वर्तमान में राज्य सरकार की महत्वपूर्ण रामलला तीर्थ दर्शन योजना में महत्वपूर्ण भागीदारी निभा रहे हैं। वो इस वक्त धार्मिक न्यास व धर्मस्व विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव हैं।

पिंगुआ के नाम की भी चर्चा

प्रदेश के 1994 बैच के सीनियर आईएएस अफसरों में से एक मनोज पिंगुआ के नाम की भी चर्चा है। सूत्रों की माने तो उनके नाम का ऐलान हो सकता है। चर्चा ये भी है कि इस डेवलपमेंट की जानकारी मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को दी होगी। मनोज पिंगुआ हाल ही में दिल्ली में प्रधानमंत्री कार्यालय के कुछ अफसरों से मिलने पहुंचे थे। इसके बाद से अब यह बात तय मानी जा रही है कि पिंगुआ मुख्य सचिव बनाए जा सकते हैं। मनोज पिंगुआ मुख्यमंत्री सचिवालय की पहली पसंद माने जा रहे हैं। वर्तमान में मनोज कुमार पिंगुआ गृह,जेल, विभाग के अपर मुख्य सचिव हैं। वे छत्तीसगढ़ आईएएस एसोसिएशन के अध्यक्ष हैं।

राज्यपाल डेका ने मुख्य सचिव जैन को सेवानिवृत्ति पर दी शुभकामनाएं

राज्यपाल रमेन डेका से सोमवार को यहां राजभवन में मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने सौजन्य भेंट की। राज्यपाल डेका ने अमिताभ जैन के आज सेवानिवृत्त होने पर उन्हें उज्ज्वल भविष्य और सुखमय जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल डेका ने मुख्य सचिव जैन को राजकीय गमछा और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

करोड़ों रुपए की पैंगोलिन स्केल बरामद, दो तस्कर हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। जिले के शंकरगढ़ क्षेत्र में वन विभाग को वन्यजीव तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। अंबिकापुर रेंजर निखिल पैकरा के नेतृत्व में सरगुजा, सूरजपुर और बलरामपुर जिलों के वन विभाग की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 6 किलो पैंगोलिन की स्केल जब्त की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करोड़ों रुपये आंकी गई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लीलाराम कुजूर (36) और लवंग साय (38) के रूप में हुई है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह तस्करी एक संगठित गिरोह के माध्यम से की जा रही थी, जिसमें और भी लोग शामिल हो सकते हैं। वन विभाग की टीमें अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई हैं और पूरे नेटवर्क की तह तक पहुंचने के लिए विस्तृत जांच जारी है। वन अधिकारियों के अनुसार, पैंगोलिन विश्व स्तर पर सबसे अधिक तस्करी किए जाने वाले स्तनधारियों में शामिल है। इसकी स्केल का उपयोग पारंपरिक औषधियों और दुर्लभ कलात्मक वस्तुओं के निर्माण में किया जाता है, जिससे यह अवैध व्यापार का एक बड़ा केंद्र बन चुका है। इसके संरक्षण को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई सख्त नियम लागू हैं। वन विभाग ने कहा है कि इस गिरोह के अन्य सदस्यों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एक बाइक में दो नंबर प्लेट देख हैरान हुई पुलिस, युवक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। शहर में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने में जुटी ट्रैफिक पुलिस ने एक संदिग्ध बाइक चालक को सिविल लाइन पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी युवक अपनी बाइक में आगे और पीछे अलग-अलग नंबर की नंबर प्लेट लगाकर घूम रहा था। उसके खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। यह कार्रवाई रविवार को सिम्स चौक के पास उस वक्त की गई जब यातायात पुलिस की टीम पेट्रोलिंग कर रही थी। कार लिफ्टर क्रेन वाहन में एएसआई अभय खलखो, प्रधान आरक्षक रामदुलार साहू और आरक्षक शेखर सिंह ड्यूटी पर तैनात थे।

इस दौरान उन्होंने देखा कि एक मोटरसाइकिल आम रास्ते पर खड़ी थी जिससे आवागमन बाधित हो रहा था। लाउड हेलर से आवाज लगाने पर एक व्यक्ति वहां पहुंचा, जिसने अपना नाम लोकेश कुमार, निवासी डोंगरगढ़ बताया। जब उससे वाहन हटाने को कहा गया, तो पुलिसकर्मियों की नजर बाइक की नंबर प्लेट पर गई। बाइक के आगे की नंबर प्लेट में सीजी 08 आर 0255 लिखा था, जबकि पीछे की नंबर प्लेट में सीजी 08 आर 3265 अंकित था। यानी एक ही वाहन पर दो अलग-अलग नंबर, जो साफ तौर पर धोखाधड़ी की ओर इशारा करता है। पूछताछ में युवक कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका, जिसके बाद पुलिस ने बाइक को जब्त कर उसे सिविल लाइन थाने के सुपुर्द कर दिया। थाने में उसके खिलाफ बीएनएस की धारा 106 के तहत मामला दर्ज कर हिरासत में लिया गया।

बेमेतरा में राहगीर की मौत, कार ने रौंदा

बेमेतरा। बेमेतरा में एक भीषण सड़क हादसा में एक राहगीर की मौत हो गई है और 2 गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मिली जानकारी की अनुसार, यह हादसा साजा थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 13 में हुई है। यहां कार ने 3 राहगीरों को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई और दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। वहीं इस हादसे के बाद घायलों और मृतक के परिजनों ने थाने में जमकर हंगामा किया है। थाने में हंगामा करते हुए लोगों ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। बता दें कि छत्तीसगढ़ में पिछले कुछ समय से सड़क हादसों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। आए दिन हो रहे सड़क हादसों में लोग अपनी जान गवां रहे हैं औरघायल हो रहे हैं।

बिहार चुनाव के लिए छत्तीसगढ़ कांग्रेस के 4 नेता ऑब्जर्वर बनाए गए, अमरजीत और शैलेश पांडेय के नाम शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारियों में जुटी कांग्रेस पार्टी ने संगठनात्मक स्तर पर अपनी रणनीति को धार देना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने राज्य के लिए 58 ऑब्जर्वर (निरीक्षक) नियुक्त किए हैं। इसमें छत्तीसगढ़ के 4 नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पार्टी के जनरल सेक्रेटरी केसी वेणुगोपाल ने आदेश जारी किया है। छत्तीसगढ़ से जिन नेताओं को बिहार चुनाव के लिए ऑब्जर्वर बनाया गया है, उनमें पूर्व कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत, बिलासपुर के पूर्व विधायक शैलेश पांडेय, संगठन से जुड़े नेता दीपक मिश्रा और वरिष्ठ नेता भुवनेश्वर बघेल का नाम शामिल है।

कांग्रेस प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने सौंपी जिम्मेदारी

कांग्रेस ने इन सभी नेताओं को बिहार के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी संगठन को मजबूत करने, जमीनी स्तर पर बूथ मैनेजमेंट सुनिश्चित करने और स्थानीय कार्यकर्ताओं को एकजुट कर कांग्रेस प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने का कार्य सौंपा गया है।

पिछले चुनावी अनुभवों को देखकर दिया मौका

जानकारी के मुताबिक, कांग्रेस हाईकमान ने इन नेताओं को उनके पिछले चुनावी अनुभव, सांगठनिक पकड़ और जमीनी सक्रियता को देखते हुए बिहार जैसी रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण राज्य में जिम्मेदारी दी है। पार्टी का लक्ष्य है कि बिहार में अपनी स्थिति को मजबूत करते हुए विपक्षी दलों को कड़ी चुनौती दी जा सके।

बलात्कार पीड़िता की देह पर राजनीति की रोटी

श्रीकंचनपथ

बलात्कार अपने आप में घिनौना शब्द है। किसी की मर्जी के खिलाफउसके साथ मनमानी करना अर्थात बलात किया गया कोई भी कार्य स्वीकार्य नहीं है। नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक 2022 में कुल 31,516 बलात्कार की घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें से 30,512 मामलों में पीड़िता वयस्क थी। अर्थात प्रतिदिन औसतन 86 बलात्कार की घटनाएं दर्ज की गईं। वास्तविक आंकड़े इससे कहीं अधिक हो सकते हैं क्योंकि पारीवारिक रेप के अधिकांश मामले कभी पुलिस तक पहुंचते ही नहीं। बलात्कार पीड़िताओं में सभी उम्र की महिलाएं, यहां तक कि अबोध बच्चियां तक शामिल हैं। ऐसी घटनाएं देश के सभी राज्यों में होती हैं। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक पिछले सालों के मुकाबले 2022 में बलात्कार के मामलों में 13.23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2022 में रेप की सबसे ज्यादा घटनाएं राजस्थान - 6342, मध्यप्रदेश - 2947, उत्तर प्रदेश - 2845 और दिल्ली - 1252 में दर्ज की गईं। आनुपातिक रूप से देखा जाए तो दिल्ली के आंकड़े सबसे ज्यादा खराब हैं और वह बलात्कार की राजधानी के रूप में अपनी स्थिति को बनाए हुए है। जाहिर है कि बलात्कार सभी जगह होते हैं और कानून उससे अपने ढंग से निपटता भी है। पर जब-जब रेप की ये वारदातें पश्चिम बंगाल में होती हैं तो मामला अपने आप राष्ट्रीय हो जाता है। इसकी वजह समझना मुश्किल नहीं है। केन्द्र सरकार पश्चिम बंगाल की विपक्षी सरकार को अस्थिर करना चाहती है। चाहे वह डाक्टर रेप-मर्डर का मामला हो या अब कानून की छात्रा से गैंग रेप का मामला, घूम फिर कर वह राजनीतिक मसला बन जाता है। कानून की छात्रा से हुए बलात्कार के मामले में भी भाजपा मुखर है। यह गौण हो जाता है कि रेपिस्ट केवल टीएमसी से ही नहीं जुड़ा हुआ बल्कि वह इसी लॉ कॉलेज का भूतपूर्व छात्र है। वह कॉलेज में कांट्रेक्ट पर काम भी करता है। इसके साथ ही वह अलीपुर कोर्ट में क्रिमिनल लॉयर भी है। वह छात्रा से एकतरफा प्यार करता था। छात्रा के इंकार करने के बाद वह अपने दोस्तों की मदद से उसे बंधक बनाकर उसके साथ रेप करता है। उसके साथ मारपीट भी करता है। पुलिस मामले में उसके और उसके सहयोगियों के खिलाफ सामूहिक बलात्कार का मामला दर्ज करती है और उन्हें गिरफ्तार भी कर लेती है। भाजपा इस मामले को राजनीतिक रंग देने में जुटी हुई है। इसपर टिप्पणी करते हुए बंगाल सरकार में मंत्री शशि पांजा ने कहा- पश्चिम बंगाल विधानसभा में अपराजिता विधेयक पारित किया गया था। इसे अभी तक कानून नहीं बनाया जा सका है क्योंकि भाजपा ने इसे रोक दिया। अपराजिता विधेयक में बलात्कार के दोषियों के लिए मौत की सजा का प्रावधान किया गया है। पांजा कहते हैं कि एक महिला का शरीर कोई राजनीति का अखाड़ा नहीं है। इसका सम्मान किया जाना चाहिए। पर एजेंडा सरकार गिराने का हो तो क्या फर्क पड़ता है कि आरोपी क्रिमिनल लॉयर भी है।

संपादकीय

तुष्टिकरण के चलते क्या नहीं किया

राजनीति में जब देश सेवा की जगह सत्ता ज्यादा अहम हो जाती है राजनीतिक दलों के लिए देश मायने नहीं रखता है, लोकतंत्र मायने नहीं रखता है, संविधान मायने नहीं रखता है। जब पता चल जाता है कि सत्ता के किसी खास वर्ग का तुष्टिकरण जरूरी है तो तुष्टिकरण के लिए क्या नहीं किया जाता है और क्या नहीं किया गया है। पहले तो एक ही दल था जो खास वर्ग का तुष्टिकरण करता था,आज तो पता नहीं कितने दल इस काम में लगे हुए हैं कि उनका वोट मिल जाए तो हमारी सरकार बन जाए, उनका वोट मिल जाए तो हम ज्यादा सीटें जीत लें। सरकार व ज्यादा सीटों के लिए वह संविधान के विपरीत काम करने में भी उनको कोई झिझक नहीं हुई।

> ***"देश के प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने हाल ही में एक कार्यक्रम में यह बात कही कि डॉ. बीआर अंबेडकर ने देश को एकजुट करने वाले संविधान की कल्पना की थी। उन्होंने कभी ऐसे राज्य की कल्पना नहीं की थी कि जिसका संविधान अलग हो। संविधान प्रस्तावना पार्क के उद्घाटन अवसर पर उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने धारा 370 को निरस्त करने के केंद्र के फैसले पर बरकरार रखते हुए एक संविधान के तहत एकजुट भारत के डॉ. अंबेडकर के दृष्टिकोण से प्रेरणा ली। उल्लेखनीय हैं कि देश में तुष्टिकरण करने वाली ताकतों ने मोदी सरकार के कश्मीर से धारा-370 को निरस्त करने को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती थी और वह चाहते थे कि कश्मीर में धारा -370 लागू रहना चाहिए।***

सीजेआई गवई के बयान से साफ जाहिर हो जाता है कि जिन लोगों ने वर्ग विशेष के तुष्टिकरण के लिए कश्मीर में धारा-370 को लागू किया था और जिन लोगों ने आजादी के कई दशकों तक उसको कश्मीर के लिए जरूरी समझ कर समर्थन किया था।वह बाबा साहेब के विरोधी थे क्योंकि बाबा साहेब ऐसा नहीं चाहते थे और उन्होंने ऐसा ही किया और उसे देश के लिए सही भी माना। बाबा साहेब की तरह जनसंघ व भाजपा के नेता एक देश एक संविधान के समर्थक थे, वह एक देश में दो संविधान का गलत मानते थे। इसलिए उन्होंने तय कर रखा था जिस दिन उनकी मजबूत सरकार बनेगी धारा-370 को निरस्त कर दिया जाएगा। 2014 में मोदी सरकार के आने पर धारा-370 को हटाने का काम प्राथमिकता से किया गया।

कांग्रेस संविधान विरोधी और बाबा साहेब विरोधी भी थी। आपातकाल लगाना संविधान विरोधी काम था, आपातकाल में संविधान संशोधन करना संविधान विरोधी काम था, आपातकाल में समाजवाद व पंथनिरपेक्ष शब्द जोड़ना संविधान विरोधी काम था। कांग्रेस ने बाबा साहेब को चुनाव में हराने का काम किया, परिवार के तीन तीन लोगों को भारतरत्न मिला लेकिन उनको बाबा साहेब को भारत रत्न देने का ख्याल नहीं आया। आज राहुल गांधी संविधान की प्रति हाथ में लेकर घूमते हैं और खुद को संविधान के रक्षक के तौर पर पेश करते हैं, खुद को पिछड़ों व दलितों का हितैषी बताते हैं।

सही मायने में दलितों व पिछड़ों के हितैषी वीपी सिंह थे जिन्होंने बाबा साहेब का भारत रत्न देकर दलितों का सम्मान किया। मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू कर पिछड़ों को आरक्षण दिलाया। राहुल गांधी मुंहजबानी दलितों व पिछड़ों के नेता बनना चाहते हैं। वह चाहते हैं कि दलित व पिछड़े पहले की तरह उनको वोट करें ताकि वह ज्यादा सीटें जीतकर सरकार बना सके और कांग्रेस व सोनिया गांधी का राहुल गांधी को पीएम बनाने का सपना पूरा हो सके। दलित व पिछड़े जानते हैं कि कौन उनका असली नेता और कौन नेता बनने का दिखावा कर रहा है। पीएम मोदी का दस साल के शासन में दलित व पिछड़े पहले से ज्यादा समझदार हुए है। वह जो भी फैसला कर रहे हैं सही फैसला कर रहे हैं।

भगवान एक बार जीवन देता है, डॉक्टर बार-बार बचाता है

1 जुलाई, डॉक्टर्स-डे पर विशेष (डॉ. सूर्यकांत मिश्रा, राजनांदगांव)

नब्ज टटोलकर मर्ज की तह तक पहुंचना भारतवर्ष के लिए कोई नई बात नहीं है। हमारे वैद्यराजों ने अनादिकाल से आयुर्वेद के दम पर गंभीर से गंभीर रोगों का इलाज कर अपनी योग्यता सिद्ध कर दिखाई है। आज की आधुनिक जीवनशैली ने चिकित्सा जगत को बड़ी चुनौतियों में डाल रखा है! अब आयुर्वेद पर विश्वास उतना नहीं रहा जितना भारतवर्ष के सादगीपूर्ण जीवनशैली के समय था। इसका जो कारण मुझे समझ में आता हैं वह बिगड़े पर्यावरण के रूप में दिखाई पड़ रहा है।

खान-पान से लेकर मानवीय समाज में जीवनयापन कर रहे हम लोगों ने अपने ऋषि-मुनियों द्वारा बताई गई दिनचर्या को न मानकर ही अपने शरीर के अंदर बीमारियों का बीजारोपण किया है! अब हमारे वानस्पतिक वृक्षों में भी वह ताकत नहीं रही जो सदियों पहले हुआ करती थी। यही कारण हैं कि वर्तमान युग में बीमारियों से लड़ने वैज्ञानिक शोधों का सहारा लेना पड़ रहा है। हमारा चिकित्सा विज्ञान जितना प्रगति कर रहा है, बीमारियों के नए-नए रूप भी बढ़-चढ़कर चुनौती पेश करते दिख रहे हैं। मानवीय शरीर में रोग- प्रतिरोधक शक्ति का क्षीण होना ही वह कारण है कि हमारे चिकित्सा वैज्ञानिकों को तुरंत असर करने वाली दवाइयों का आविष्कार करना पड़ा। आज के चिकित्सकों का जीवन हमारे जाने-माने वैद्यराजों से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण बन पड़ा है।

एक डॉक्टर का जीवन चुनौतीपूर्ण होने के साथ ही साथ अनेक मौकों पर कठिन भी हो सकता है। डॉक्टर की काबिलियत के आधार पर यह पेशा उन्हें समाज में व्यक्तिगत प्रतिष्ठा से भी जोड़ जाता है। हर चिकित्सक का अनुभव अद्वितीय होता है। यही गुण उनकी विशेषता बनकर, कार्य, वातावरण और व्यक्तिगत लचीलेपन से नया आकार ग्रहण कर लेता है। चुनौतियों और पुरस्कारों के बीच संतुलन बनाना चिकित्सा क्षेत्र में स्थाई और संतोषजनक करियर की कुंजी मानी जा सकती है। इस पेशे से जुड़े ऐसे लोग जो अपनी स्कूली शिक्षा के समय मन में ठानकर डॉक्टर बने हैं और अपने काम के प्रति जुनूनी हैं, वे अपने द्वारा समाज को दी जा रही सेवा के चलते जीवन का आनंद लेते हैं। हमारे देश में डॉक्टर बनने की यात्रा काफी लंबी और उबाऊ कही जा सकती है। इस दौरान कोई सराहना या प्रोत्साहन नहीं मिलता। एक डॉक्टर से यह अपेक्षा की जाती है कि वह चौबीसों घंटे अपने मरीज के लिए उपलब्ध रहे! यह कहने से भी हमारा समाज पीछे नहीं रहता है कि यह उसका कर्तव्य है! एक डॉक्टर से यह भी अपेक्षा की जाती है कि उसका कोई निजी जीवन न हो! कारण यह कि वह ऐसे पेशे से जुड़ा है, जो मनुष्य के जीवन से प्रत्यक्ष संबंध रखता है। हमारा समाज डॉक्टर से यह भी उम्मीद रखता है कि वह सुपरमैन और स्पाइडरमैन की तरह हमारी जान बचाता रहे! मैने अनुभव किया है कि एक चिकित्सक अत्यधिक दबाव और कार्यभार के बीच अपना जीवनयापन करता है । उसके पास अपने और अपने परिवार के लिए अत्यंत ही सीमित समय होता है।

चिकित्सकों की जीवनशैली का अनुभव करते हुए मुझे लगता है कि कोई भी अन्य पेशा जीवन के संदर्भ में इतनी गहरी समझ नहीं रखता जितना कि एक चिकित्सक। बीमारी और मौत के दुखों को इतने करीब से देखने के बाद एक चिकित्सक का जीवन के प्रति नजरिया बदल जाता है। वह एक चिकित्सक ही होता है जो मरीजों को लाइलाज बीमारियों से पीड़ित और उम्मीद से चिपके हुए देख सकता है। यह सब बहुत ही निराशाजनक और भावनात्मक रूप से थका देने वाला होता है। खास कर गंभीर चिकित्सा स्थितियों और मृत्यु के निकट स्थितियों की घोषणा करते समय। इस पेशे का एक चमत्कार पहलू भी होता है। बीमारी से ठीक हो चुके व्यक्ति के परिजनों के चेहरों पर राहत और खुशी का संगम देखकर डॉक्टर स्वयं ही पुरस्कृत महसूस करता है। एक डॉक्टर के रूप में मरीज का स्वास्थ्य और सेवा का अवसर, उनका जीवन सभी कुछ डॉक्टर के हाथ होता है। ऐसी स्थिति में एक डॉक्टर खुद को बेहद तनावपूर्ण परिस्थिति में पाता है। इससे निपटने और जिम्मेदारी लेने में सक्षम होने के लिए बहुत धैर्य की जरूरत होती है, चाहे चीजें सही हों या गलत। डॉक्टर होने का मतलब सिर्फ गोलियां बांटना या कटे-फटे शरीर को सिल देना ही नहीं है। डॉक्टर होना इंसान और भगवान के बीच मध्यस्थता होना भी है। एक अच्छे डॉक्टर को परिभाषित करना भी अत्यंत ही कठिन काम हो सकता है।

हम विचार करें तो कुछ शब्दों में यह परिभाषित करना काफी आसान है कि एक अच्छा वकील, एक अच्छा वास्तुकार, एक अच्छा लेखक कौन हो सकता है? एक अच्छा वकील वह होता है, जो कठिन मुकदमों में जीत हासिल कर लेता है। एक अच्छा वास्तुकार वह होता है जो सबसे शानदार इमारत खड़ी कर दिखाता है। एक अच्छा लेखक वह होता हैं जो एक मार्मिक उपन्यास लिख डालता है। इन सबके विपरीत एक अच्छा डॉक्टर कौन होता है? कहना या लिखना मुश्किल होता है। एक अच्छा डॉक्टर वह नहीं जो सबसे ज्यादा इलाज करता है अथवा उस पर विश्वास करने वालों की संख्या अधिक होती है। उसे भी एक अच्छा डॉक्टर नहीं कहा जा सकता जो अच्छा निदान करता है। उसे भी अच्छा डॉक्टर नहीं कहा है सकता जो वैज्ञानिक तथ्यों को जानता है। वास्तव में एक अच्छा डॉक्टर वह होता है, जो दयालु, विनम्र और आशावादी होता है। एक अच्छा डॉक्टर वह होता है जो रोगियों में विश्वास जगाता है। मैं तो यही कह सकता हूं- भगवान एक बार जीवन देता है , डॉक्टर बार-बार बचाता है। इसलिए डॉक्टर को धरती पर भगवान की संज्ञा दी जाती हैं।

डॉक्टर मसीहा का पर्याय है। अधमरे इंसान में जान फूंकने, रोगियों को स्वस्थ करने और हमारे अपनों को दूर जाने से बचाने में जो डटे रहते हैं, वहीं वास्तव में डॉक्टर हैं। वही मसीहा हैं। जब- जब लगा कि अब इस दुनिया को अलविदा कहने का समय आ गया है, तब-तब ईश्वर का प्रतिनिधि बनकर चिकित्सकों के रूप में एक इंसान ने दस्तक दी और असमय मृत्यु को खदेड़ दिया! चिकित्सकों के समुदाय ने सदियों से यह सिद्ध कर दिखाया है कि जिंदगी दोबारा भी मिल सकती है। दरअसल एक डॉक्टर एक दिन में अनेकों बार जीता और मारता है। जब भी उसके हाथों कोई रोगी ठीक होता है, तब उसे लगता है कि उसका जीवन सार्थक हो गया। इसके विपरीत जब तमाम कोशिशों के बाद भी वह रोगी को नहीं बचा पाता है, तब उसे लगता है कि सब कुछ समाप्त हो गया।

इस प्रकार की स्थिति से प्रतिदिन दो-चार होना आसान नहीं कहा जा सकता है। डॉक्टर की काबिलियत के चलते ही हर वह इंसान जो बीमार है और उसका परिवार डॉक्टर की तरफ उम्मीद भरी नजरों से देखता है। यदि अस्तित्व विहीन हो जाना इस जीवन की नियति है, तो अस्तित्व को बरकरार रखना डॉक्टर के जीवन का ध्येय है। देखा जाए तो डॉक्टर का मूल लक्ष्य जीविकोपार्जन अथवा धंधा करना नहीं बल्कि जिंदगी और मौत से जूझ रहे इंसान को येन - केन प्रकारेण बचाना है। खेत में किसान, सीमा पर सैनिक, विद्यालय में शिक्षक और अस्पताल में डॉक्टर न हों तो मानवीय समाज का जीवन कठिन हो सकता है। इस पृथ्वी पर जिजीविषा को मूर्त रूप प्रदान करने में डॉक्टर्स की भूमिका अतुलनीय रही है।

वन पट्टों के फौती और नामांतरण की प्रक्रिया अब आसान

जीएस केशरवानी, उप संचालक

छत्तीसगढ़ सरकार की नई पहल से वन पट्टों के फौती नामांतरण की प्रक्रिया सरल और व्यवस्थित हो गई है। किसी पट्टाधारी की मृत्यु के बाद उसके वैध वारिसों को अधिकार अब आसानी से मिल रहा है। वारिसों के नाम पर पट्टा दर्ज होने से वे न केवल भूमि के वैधानिक स्वामी बन पा रहे हैं, बल्कि शासकीय योजनाओं का लाभ भी उन्हें सुलभता से मिल रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि प्रत्येक वनभूमि पट्टाधारी परिवार को उसका पूरा हक और सम्मान दिलाना, हमारी सरकार की प्राथमिकता में शामिल है।

देश में वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत कुल 23 लाख 88 हजार 834 व्यक्तिगत वन अधिकार पत्रो का वितरण मार्च 2025 तक किया गया है, इनमें छत्तीसगढ़ राज्य में कुल 4 लाख 82 हजार 471 व्यक्तिगत वन पत्रधारक हैं। राज्य में वन पट्टाधारकों की यह संख्या देश में सर्वाधिक है। वन अधिकार अधिनियम, 2006 का क्रियान्वयन वर्ष 2008 से देश में हो रहा है लेकिन इस अधिनियम में वन अधिकार पत्रधारक की मृत्यु होने की दशा में उनके विधिक वारिसानों को भूमि के नामांतरण के संबंध में प्रक्रिया नहीं होने के कारण नामांतरण नहीं हो पा रहा था साथ ही उन्हें शासन के योजनाओं और सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था।

छत्तीसगढ़ सरकार ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर इस कठिनाई को दूर करने के लिए तथा वंशजों का नाम पर काबिज वनभूमि का हस्तांतरण एवं राजस्व तथा वन अभिलेखों में दर्ज करने का निर्णय लिया। वन पट्टों के फौति-नामांतरण की सरल प्रक्रिया तय की गई है। अकेले छत्तीसगढ़ में ही 11 हजार 600 से अधिक वंशजों के आवेदन इसके लिए प्राप्त हुए हैं, जिन्हें प्रक्रिया के अभाव में नामांतरण के लिए भटकना पड़ रहा है। राज्य सरकार के इस निर्णय से अब उन्हें उनकी समस्या का निदान मिल गया है।

ऐसे लोगों को छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा मोर जंगल, मोर जमीन, मोर वन अधिकार के माध्यम से वनों में निवास करने वाली अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परपरागत वन निवासियों द्वारा काबिज पैतृक भूमि पर वन अधिकारों की मान्यता प्रदान की जा रही है। साथ ही पत्रधारकों के अभिलेख दुरुस्तीकरण एवं डिजिटलाईजेशन, नामांतरण, सीमांकन, खाता विभाजन संबंधी कार्य सुगमता से हो

रहा है। राज्य में नामांतरण, सीमांकन, बटवारा, त्रुटि सुधार एवं अपील के अंतर्गत अब तक प्राप्त 11623 आवेदनों में से 3800 आवेदनों का निराकरण किया गया है। इसके फलस्वरुप विधिक वारिसान जो विभिन्न शासकीय योजनाओं तथा अन्य सुविधा से वंचित थे, उन्हे अब पीएम किसान सम्मान निधि, धान खरीदी आदि का लाभ भी मिल रहा है।

नामांतरण प्रक्रिया

नामांतरण की प्रक्रिया के अंतर्गत वन अधिकार मान्यता पत्रधारक का निधन होने पर कैफियत कॉलम में दर्ज प्रविष्टि में संशोधन किया जाता है। विधिक वारिसानों के मध्य वन अधिकार पत्र की वन भूमि के बंटवाने की प्रक्रिया-वन अधिकार मान्यता पत्रधारी के जीवनकाल में उनके द्वारा प्रस्तावित या उसकी मृत्यु के उपरांत विधिक वारिसानों के मध्य खाता विभाजन करने की सुविधा दी जा रही है। सरकारी नक्शों में मान्य वन अधिकारों के सीमांकन की कार्रवाई की जाती है। संबंधित विभागों के अभिलेखों में वन अधिकारों को दर्ज करना किया जाता है। वन अधिकार पुस्तिका आदि अभिलेखों में त्रुटि का निराकरण भी किया जा रहा है।

वन अधिकार पत्रों का डिजिटाइजेशन

वन अधिकार पत्रों को डिजिटाईज कर ऑनलाईन उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए रिमोट सेन्सिंग एवं जीआईएस तकनीकी का उपयोग किया जा रहा है। वन पट्टों के साथ अन्य जानकारी जैसे आधार, जनधन खाते, जॉब कार्ड आदि की जानकारी भी जोड़ी जा रही है। इससे व्यक्तिगत वन अधिकार पत्रधारक को न केवल अधिकार संबंधित सभी जानकारी सहजता से मिल रही है, बल्कि किसी वन अधिकार पत्रधारक के पास वन अधिकार पत्र उपलब्ध नहीं है तो वह इसे ऑनलाईन प्राप्त कर रहे हैं। डिजिटलाईजेशन के तहत व्यक्तिगत वन अधिकार के 4 लाख 82 हजार 471 पत्र धारकों में से 3 लाख 40 हजार 129 के स्कैनिंग अपलोडिंग का कार्य किया जा चुका है, जिसका लाभ पीढ़ियों तक वन अधिकार पत्रधारक एवं उनके वंशजो को मिलता रहेगा।

वन अधिकार पट्टों का क्रियान्वयन

छत्तीसगढ़ में व्यक्तिगत वन अधिकार के अंतर्गत 4 लाख 82 हजार 471 वनपट्टे वितरित किए गए हैं इसी प्रकार सामुदायिक वनधिकार के अंतर्गत 48 हजार 249 और सामुदायिक वन संसाधन अधिकार 4 हजार 396 पट्टों का वितरण किया गया है।

जातिवाद और तुष्टीकरण की विकृत राजनीति का खतरनाक खेल

मृत्युंजय दीक्षित

समाजवादी अखिलेश यादव द्वारा तथाकथित पीडीए की राजनीति को संबल देने के लिए जो बयानबाजी की जा रही है तथा उनकी पार्टी और समर्थकों द्वारा सोशल मीडिया पर जैसी टिप्पणियां की जा रही हैं उनसे प्रदेश में शांति भंग होने की आशंका बढ़ रही है।

उत्तर प्रदेश में वर्ष 2026 के पंचायत चुनावों और 2027 के विधानसभा चुनावों को लेकर राजनैतिक सरगर्मियां तीव्र हो रही हैं। इन सरगर्मियों को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि प्रदेश के प्रमुख विरोधी दल समाजवादी पार्टी के साथ साथ अन्य विरोधी दल भी इन आगामी चुनावों में पहले की ही तरह जातिवाद और तुष्टीकरण को ही अपना प्रमुख हथियार बनाएंगे। सपा नेता अखिलेश यादव ने जिस प्रकार पीडीए के नाम पर हिन्दू समाज को जाति-जाति में विभाजित करके अपना स्वार्थ सिद्ध करने अर्थात वर्ष 2027 में सपा सरकार बनाने की योजना बनाई है वह वास्तव में प्रदेश के सामाजिक ताने बाने को ध्वस्त करने का एक खतरनाक खेल है। विगत दिनों प्रदेश में कई ऐसी घटनाएं घटी हैं जो इस खतरनाक खेल की आहट दे रही हैं।

समाजवादी अखिलेश यादव द्वारा तथाकथित पीडीए की राजनीति को संबल देने के लिए जो बयानबाजी की जा रही है तथा उनकी पार्टी और समर्थकों द्वारा सोशल मीडिया पर जैसी टिप्पणियां की जा रही हैं उनसे प्रदेश में शांति भंग होने की आशंका बढ़ रही है। सपा मुखिया अखिलेश यादव इटावा में कथावाचक के साथ घटी घटना पर आक्रामक होकर आपत्तिजनक बयान दे रहे हैं वहीं नैमिष में एक अन्य कथावाचक के साथ घटीअप्रिय घटना पर मौन हैं। यह तो अच्छा हुआ कि पुलिस प्रशासन ने इटावा के कथावाचक के साथ मारपीट की घटना से सम्बंधित चार संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार कर लिया है और घटना की निष्पक्ष जांच आरंभ हो गई है। इटावा की घटना को लेकर अनावश्यक रूप से ब्राह्मण समाज के विरुद्ध सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई हैं वो सामाजिक वैमस्यता बढ़ाने वाली हैं। स्मरणीय है कि सत्ता की भूख में आज पीडीए की बात करने वाले सपा मुखिया की सरकार बनते ही 2012 में सबसे पहले सीतापुर में बड़ी संख्या में दलित समाज के घरों को जला दिया गया था।

इटावा की घटना की जांच चल रही है किंतु अखिलेश यादव जांच रिपोर्ट को प्रभावित करने के लिए गलत बयानी कर रहे हैं। हिंदू समाज में किसी भी जाति का, कोई भी व्यक्ति जिसे धर्मग्रंथों का ज्ञान है तथा जनमानस को अच्छी बातें बताने की क्षमता रखता है वह कथावाचन कर सकता है। अधिकांश कथा वाचक गैर ब्राह्मण ही हैं। कथावाचक की जाति पर कभी चर्चा नहीं होती। यदि कोई कथावाचक अपनी जाति व धर्म को छुपाकर यह कृत्य करता है तो चिंता की बात है। कोई कथा कहना चाहता है तो उसे अपना सही नाम बताने में कठिनाई नहीं होनी चाहिए ।नाम छुपाने के साथ साथ एक से अधिक आधार कार्ड रखना एक आपराधिक कृत्य है कोई कथावाचक ऐसा क्यों करेगा? इस पूरी घटना में सपा की प्रतिक्रिया से लगता है कि संभव है कि इटावा की घटना सुनियोजित षड्यंत्र के अंतर्गत करवाई गई हो और एक समय बसपा का नारा रहे तिलक, तराजू और तलवार इनको मारो जूते चार को अब सपा ने अपना लिया है। सपा ने पीडीए का दिल जीतने के लिए ब्राह्मण समाज का अपमान किया है।

इस बीच सपा ने राज्यसभा चुनावों के दौरान क्रास वोटिंग करने वाले तीन विधायकों ऊंचाहार से मनोज कुमार पांडेय, गोसाईगंज से अभय सिंह और गौरीगंज से राकेश प्रताप सिंह को पार्टी से निकाल दिया है। सपा की ओर से एक्स पर लिख गया कि सांप्रदायिक व पीडीए विरोधी विचारधारा का साथ देने के कारण तीनों विधायकों को निकाला गया है। वहीं इन विधायकों का कहना है कि भगवान राम और रामचरित मानस के अपमान का विरोध करने के कारण इन सभी को निष्कासित किया गया है। विधायक मनोज पांडेय ने कहा कि मैंने सपा नेताओं द्वारा हिंदू देवी-देवताओं को गाली दिए जाने तथा रामायण की प्रतियां जलाने का विरोध किया था। विधायक मनोज पांडेय अयोध्या में रामलला के दर्शन भी कर आये हैं। सभी विधायकों ने कहा कि सपा में हिन्दुओं की धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया जाता है। समाजवादी पार्टी ने अब लोहिया की विचारधारा को त्याग चुकी है।

अखिलेश यादव आजकल कोई भी विषय हो पीडीए को बीच में घसीट लाते हैं। हाल ही में सोने-चांदी के बढ़ रहे दामों पर बयान देते हुए उन्होंने कहा कि सोने-चांदी के दाम चरम सीमा पर है जिस कारण गरीब पीडीए समाज की बिटिया की सगाई में सोना कैसे खरीदा जाएगा जबकि वह अच्छी तरह से जानते हैं कि सोने चांदी की कीमतों पर केंद्र सरकार व राज्य सरकार का कोई नियंत्रण नहीं होता है अपितु यह अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर होता है।

समाजवादी पार्टी मुखिया एक घोषणा यह भी कर रहे है कि जब उनकी सरकार आयेगी तब महापुरुषों की सोने की मूर्तियां लगवाई जाएंगी। अखिलेश यादव ने कन्नौज में सम्राट हर्षवर्धन और बहराइच में महाराज सुहेलदेव राजभर की सोने की मूर्तियां लगवाने की घोषणा की है। सत्यता यह है कि सपा मुखिया प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विकास और हिन्दुत्व के समन्वित एजेंडे का उत्तर नहीं खोज पा रहे हैं। बहराइच में योगी जी महाराज सुहेलदेव की कांस्य की प्रतिमा का अनावरण कर चुके हैं। मूर्तियों की घोषणा पर सपा मुखिया से यह प्रश्न भी पूछा जा सकता है कि जब 2012 से 217 तक प्रदेश में उनकी सरकार थी तब उन्होंने ऐसा क्यों नहीं किया? समाजवादी पार्टी जब सत्ता में रही तब उसने अपनी तुष्टीकरण की नीति के चलते मुस्लिम आक्रान्ताओं को पराजित करने वाले महाराज सुहेलदेव सहित किसी भी अन्य महापुरुष का सम्मान नहीं किया। इसी प्रकार सपा नेता ने छत्रपति शिवाजी महाराज के सम्मान में आगरा में भव्य संग्रहालय और लखनऊ गोमती नदी के तट पर सोने के सिंहासन पर बैठी उनकी एक प्रतिमा स्थापित की जाएगी। सपा मुखिया इतना सोना आखिर लायेंगे कहां से ? नेताओं को वही घोषणाएं करनी चाहिए जिस पर जनमानस विश्वास कर सके, नहीं तो चुनाव परिणाम आने पर फिर वही राग छिड़ेगा कि ईवीएम खराब है बैलट वापस लाओ।

एससीओ में रक्षामंत्री का चीन-पाक को कड़ा संदेश

ललित गर्ग

भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के पोर्टे सिटी किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को बेनकाब करते हुए संयुक्त घोषणापत्र में हस्ताक्षर करने से मना कर न केवल पाकिस्तान और चीन को नये भारत का कड़ा संदेश दिया, बल्कि दुनिया को भी जता दिया कि भारत आतंकवाद को पोषित एवं पल्लवित करने वाले देशों के खिलाफ अपनी लड़ाई निरन्तर जारी रखेगा।

घोषणापत्र में बलोचिस्तान की चर्चा की गई थी किन्तु पहलगाम के क्रूर आतंकवादी हमले जिनमें धर्म पूछकर 26 लोगों को मारे जाने का कोई विवरण नहीं था। भारत की आतंकवाद को लेकर दोहरे मापदंड के विरुद्ध इस दृढ़ता एवं साहसिकता की चर्चा विश्वव्यापी हो रही है। भारत ने विश्व को आगाह कर दिया है कि अब आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरे मापदंड नहीं चलेंगे। राजनाथ सिंह के अडिगता एवं असहमति के इस कदम से एससीओ के रक्षामंत्रियों का सम्मेलन बिना संयुक्त वक्तव्य जारी किये ही समाप्त हो गया, जो पाकिस्तान एवं चीन के मुंह पर करारा तमाचा है। ऐसा होना भारत की ही जीत है और चीन-पाकिस्तान के लिये शर्मसार होने की घटना है। विशेषतः इस घटनाक्रम से चीन की बदनीयत एक बार फिर से उजागर हो गई है।

भारत विश्व स्तर पर इस कोशिश में लगा रहता है कि आतंकवाद का दबाव कम हो, दुनिया आतंकमुक्त बने, निर्दोष लोगों की क्रूर आतंकी हत्याओं पर विराम लगे, पर दुर्भाग्य से दुनिया में अनेक देश अपना राजनीतिक नफा-नुकसान देखकर ही इस पर अपना रुख तय करते हैं। वास्तव में एससीओ की बैठक में भी यही हुआ है। त्रासद विडंबना है कि एससीओ में शामिल देशों ने भारत में पडोसी देश पाक की आतंक घटनाओं पर विसंगतिपूर्ण एवं दुर्भाग्यपूर्ण रवैया अपनाया। वास्तव में, यह एक और प्रमाण है कि पाक पोषित आतंकवाद संबंधी भारतीय शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। इस बीच, अमरनाथ यात्रा से ठीक एक सप्ताह पहले गुरुवार को उधमपुर जिले में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ सोचने पर मजबूर करती है। पाक की आतंकी हरकतें रूक नहीं रही है, अमरनाथ यात्रा पहले ही आतंकियों के निशाने पर रही है और इस बार भी आतंकियों के निशाने पर है, विगत तीन दशक से तनाव की स्थिति में ही अमरनाथ यात्रा हो रही है। सुरक्षा बल शांतिपूर्ण यात्रा के लिए प्रयासरत हैं लेकिन एससीओ जैसे संगठनों को पाक को सख्त हिदायत देते हुए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भारत में पाक समर्थित आतंकवाद रूकना चाहिए।

निश्चित ही एससीओ सम्मेलन में भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह एक निडर एवं साहसिक नेता के रूप में उभरे। उन्होंने आतंकवाद की जड़ों पर प्रहार करने की भारत की नई नीति की रूपरेखा सम्मेलन में रखी। उनका कहना था कि संगठन के सदस्य देशों को आतंकवाद जैसी सामूहिक सुरक्षा से उत्पन्न चुनौती के मुकाबले के लिये एकजुट होना चाहिए। उनका मानना था कि कट्टरता, उग्रवाद और आतंकवाद दुनिया में शांति, सुरक्षा और विश्वास को कम कर रहे हैं। यह भी कि आतंकवाद पर तार्किक प्रहार किए बिना सदस्य देशों में शांति व समृद्धि संभव नहीं है। उन्होंने उन तत्वों को बेनकाब करने का प्रयास किया जो आतंकवाद को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिये उसे प्रश्रय देते हैं। उनका मानना था कि एससीओ आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाने के बजाय इसको प्रश्रय देने वाले देशों की आलोचना करे, आतंकवाद को समाप्त करने की मुहिम में निष्पक्ष बने। यह भी अच्छा हुआ कि रक्षामंत्री इस पर भी अड़े रहे कि एससीओ में आतंक का समर्थन करने वाले देशों की निंदा एवं भर्त्सना होनी चाहिए। इसका अर्थ था कि पाकिस्तान को बख्शा न जाए, लेकिन चीन ने आशंका के अनुरूप ढिठाई एवं बदनियत ही दिखाई।

चीन लगातार पाक के आतंकवाद पर सहयोगी दृष्टिकोण अपनाये हुए है। उसे आतंकवाद के खिलाफ सख्त होना चाहिए लेकिन वह पहले भी आतंकवाद के प्रति नरमी दिखा चुका है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में वह पाक के आतंकी सरगनाओं का बचाव कर चुका है। इससे उसकी बदनामी भी हुई थी, लेकिन उस पर कोई असर नहीं पड़ा। चीन आतंक को लेकर जितना संवेदनशील होना चाहिए, पाक के कारण वह उतना नहीं हो पा रहा है। इससे उनकी अन्तर्राष्ट्रीय छवि आहत हो रही है, लेकिन वह सुधरने को तैयार नहीं है। यह स्पष्ट है कि एससीओ में चीन-पाक के बीच बढ़ते शरारत भरे तालमेल पर भारत को इस संगठन में अपनी भूमिका को लेकर सतर्क एवं सावधान होना होगा। भारत को यह भी देखना होगा कि विस्तार ले रहे इस संगठन में अपनी महत्ता कैसे स्थापित करे। यह ठीक है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के मनमाने रवैये के कारण चीन भारत से संबध सुधारना चाहता है और कुछ मामलों में अपना रुख बदलने के लिए विवश भी हुआ है, पर इसका यह मतलब नहीं कि वह भारत के हितों की अनदेखी करे या फिर अमेरिका एवं पश्चिम के अन्य देशों की तरह आतंकवाद पर दोहरा रवैया अपनाए और आतंक के समर्थक पाक का सहयोग एवं समर्थन जारी रखे। भारतीय नजरिये से देखें, तो अमेरिका और चीन, दोनों ही भारत में आतंकवाद के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। भूलना नहीं चाहिए, पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाक सैन्य जनरल का अपने भवन में भोज के साथ स्वागत किया है। ऐसे घटनाक्रमों से भारत के लिए संदेश साफहै कि वह आंतरिक स्तर पर आतंकियों के लिये अपने संघर्ष को तीखी धार दे। भारत को अपनी आर्थिक एवं सैन्य ताकत बढ़ानी होगी, तभी आतंकवाद को कुचला जा सकता है। आतंकवाद के खिलाफउसे अकेले की संघर्षरत रहना होगा।

दरअसल, एससीओ सम्मेलन में भारत चाहता था कि अंतिम दस्तावेज में आतंकवाद को लेकर भारतीय चिंताओं को जगह दी जाए। इसीलिये सम्मेलन में रक्षामंत्री ने ऑपेरशन सिंदूर की तार्किकता को बताया और पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहलगाम की घटना दुनिया के सामने स्पष्ट थी और दुनिया के तमाम देशों ने इसकी निंदा भी की। इसी से दो देशों के बीच युद्ध की नौबत आ गई, एससीओ सम्मेलन में उस हमले को तवज्जो न देने की रणनीति दरअसल हकीकत के साथ मखौल एवं दौगलापन है। लेकिन सम्मेलन में रक्षामंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जी-7 शिखर सम्मेलन में कही उन बातों को ही विस्तार दिया।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क – शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

जगन्नाथ पुरी की रथयात्रा महोत्सव में प्रभंजय देंगे भजनों की प्रस्तुति

भिलाई। प्रसिद्ध कलाकार और पद्मश्री अनूप जलोटा के शिष्य प्रभंजय चतुर्वेदी 2 जुलाई को जगन्नाथ पुरी में रथयात्रा के अवसर पर 10 दिन तक प्रतिदिन होने वाले कार्यक्रमों में अपने भजनों की प्रस्तुति देंगे। प्रभंजय के साथ इस कार्यक्रम में तबले पर भालचंद्र शेगेकर की बोर्ड पर दिलीप शर्मा, ऑक्टोपेड पर देबब्रत मजुमदार संगत करेंगे। प्रभंजय की उपलब्धियों में ये एक बड़ी उपलब्धि होगी। उत्सव में सभी दिन प्रस्तुतियां होंगी।

सात्यिकारों ने डॉ. सुरेंद्र दुबे को श्रद्धांजलि दी

भिलाई। स्नेहिल साहित्य समिति जेवरा-सिरसा की ओर से एक शोक सभा अयोध्या निवास पितृछाया में रखी गई। साहित्यकारों ने डॉ. सुरेंद्र दुबे से संबंधित संस्मरण और उनके साथ व्यतीत किए गए अनमोल क्षणों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। गजलकार डॉ. संजय दानी ने कहा कि सुरेंद्र विलक्षण काव्य धर्मी थे। उनकी रचनाएं बड़ी पैनी होती थीं। गीतकार जोगीराम वर्मा ने कहा कि दुबे की रचनाओं में भारतीय सभ्यता की अमिट छाप होती थीं। डॉ. दीनदयाल साहू ने कहा कि सुरेंद्र छत्तीसगढ़ के एकमात्र प्रतिनिधि कवि थे। व्यंग्यकार उमाशंकर ने कहा कि दुबे की हर क्षणिकाएं देश, समाज में व्याप्त विसंगतियों पर करारा प्रहार करती थी। डॉ.राघवेन्द्र कुमार राज ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय हास्य कवि पद्मश्री डॉ. दुबे की असामयिक निधन से साहित्य जगत को अपूरणीय क्षति हुई है। कवि मरते नहीं हैं, बल्कि वे साहित्य संसार में जीवित रहा करते हैं। पं. गोपाल प्रसाद तिवारी ने कहा कि सुरेंद्र हास्य संपदा से संपन्न कवि थे।

भिलाई विधानसभा में आयोजित हुआ 'संविधान बचाओ सभा', भूपेश बघेल और विधायक देवेंद्र ने रखे विचार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कांग्रेस पार्टी द्वारा भिलाई नगर विधानसभा क्षेत्र में संविधान बचाओ सभा का भव्य आयोजन किया गया। इस सभा में हजारों की संख्या में कांग्रेस समर्थक, आम नागरिक एवं पार्टी पदाधिकारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। आयोजन स्थल सिविक सेंटर परिसर जनसमूह से खचाखच भरा रहा और पूरे क्षेत्र में एक उत्साही और जागरूकता से भरा माहौल देखने को मिला।

सभा में मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपेश बघेल तथा भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही। अपने उद्बोधन में भूपेश बघेल ने कहा कि आज देश के लोकतंत्र और संविधान पर गहरा संकट मंडरा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे संविधान की रक्षा के लिए एकजुट होकर खड़े हों और लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखें। उन्होंने केंद्र सरकार की नीतियों पर निशाना साधते हुए कहा कि संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की साजिश की जा रही है, जिसे जनता अब बर्दाश्त नहीं करेगी।

वहीं भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि यह सभा केवल एक राजनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि देश की आत्मा की रक्षा के लिए जन-जागरण का एक अभियान है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब आंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान हम सबके अधिकारों का रक्षक है और हम सबका कर्तव्य है कि हम इसकी रक्षा करें। सभा में जिला कांग्रेस अध्यक्ष, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, हस्द्ध और अन्य संगठनों के कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने एक स्वर में संविधान की गरिमा और लोकतंत्र की मजबूती के लिए एकजुटता की अपील की। सभा के अंत में एक संविधान शपथ का आयोजन भी किया गया, जिसमें सभी उपस्थित जनों ने लोकतंत्र, समानता, और धर्मनिरपेक्षता की रक्षा करने की शपथ ली। यह आयोजन कांग्रेस पार्टी के उस राष्ट्रव्यापी अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत लोगों को संविधान के महत्व और उसकी सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की बॉक्सिंग खिलाड़ी संमाचा चानू भारतीय बॉक्सिंग टीम में चयनित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर में कार्यरत टीटीई संमाचा चानू का चयन विश्व बॉक्सिंग कप, अस्ताना (कजाकिस्तान) में भाग लेने वाली भारत की राष्ट्रीय बॉक्सिंग टीम में किया गया है। यह प्रतियोगिता 30 जून से 07 जुलाई 2025 तक आयोजित की जाएगी ।

रेलवे महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने संमाचा चानू को इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। संमाचा चानू की यह उपलब्धि न केवल रेलवे के लिए गर्व की बात है, बल्कि युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत भी है। इस अवसर पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों, रेलवे खेल संघ के पदाधिकारियों तथा साथी खिलाड़ियों ने भी संमाचा चानू को शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि वह इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश और रेलवे का नाम रोशन करेंगी।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। अंडा में गांधी भाटा तालाब के पास सार्वजनिक नवीन शिव मंदिर में शुक्रवार को शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा हुई। ग्राम पुरोहित पंडित रविंद्र पांडे ने विधि-विधान से पूजा कर शिवलिंग की स्थापना की। कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम शीतला मंदिर से कलश यात्रा के साथ हुई। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में जल लेकर पहुंचीं। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा की गई।

मंदिर में भगवान शिव के साथ माता पार्वती, भगवान गणेश और भगवान कार्तिकेय की प्रतिमा भी स्थापित की गई। भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर में भगवान भोलेनाथ की महास्नान, अभिषेक, श्रृंगार पूजन, हवन और पूर्णाहुति की गई। मंदिर परिसर को फूलों से सजाया गया था। अभिजीत मुहूर्त में वैदिक मंत्रों के साथ शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा की गई।

मंदिर परिसर जयकारों से गूंज उठा। श्रीराम भक्त मानस परिवार अंडा ने संगीतमय रामायण प्रस्तुत किया। आरती के दौरान महिलाएं मौजूद रहीं। श्रद्धालुओं ने हवन कुंड की परिक्रमा की। शाम 4 बजे से शुरू हुआ भंडारा देर रात तक चला। हजारों श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। पंडित रविंद्र पांडे ने बताया कि बेलपत्र और जल से शिवजी का मस्तिष्क शीतल रहता है। इससे उन्हें शांति मिलती है। इसलिए शिवजी पर बेलपत्र और जल अर्पित करने से वे प्रसन्न होते हैं।

108 जोड़ों ने तीर्थंकरों को दिया अर्घ्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। आचार्यश्री विद्यासागर महाराज 47वां दीक्षा दिवस सोमवार यानी मनाया जाएगा। एक दिन पहले दुर्ग के दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में रविवार को 108 जोड़ों ने विश्व शांति महामंत्र का जाप करते हुए सभी 24 तीर्थंकरों को अर्घ्य समर्पित किया। हाथों में अष्ट द्रव्य जल, चंदन, अक्षत, पुष्प, नैवेद्य, दीप, धूप, फल लेकर पूजा की।

इससे पहले सुबह दुर्ग नगर गौरव आर्यिका 105 दुर्लभमति माताजी व ससंघ 8 माताओं के सानिध्य में मंत्रोच्चार के साथ सभी ने अर्घ्य समर्पित किया। आदिनाथ भगवान का अभिषेक, शांतिधारा के बाद आरती की गई। विश्व में सभी जीवों के सुख, शांति के लिए प्रभु से प्रार्थना की। सोमवार को आचार्य विद्यासागर महाराज और आर्यिका माता दुर्लभमति का दीक्षा दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर सुबह 6 बजे से संगीतकार निखिल जैन के भजनों के साथ श्रद्धालु पूजन करेंगे। अष्टद्रव्यों से अर्घ्य समर्पित किया जाएगा। दुर्ग-भिलाई के सभी दिगंबर जैन मंदिरों से श्रद्धालु जुटेंगे। जैन बड़ा मंदिर दुर्ग।

वॉक फॉर नेशन एवं नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई सीए ब्रांच द्वारा अपनी रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित 5 दिवसीय विशेष आयोजन पंचविषम सिल्वर स्पेक्ट्रम के तहत आज तीसरे दिन वॉक फॉर नेशन एवं नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रात:कालीन पदयात्रा से हुई, जिसमें सीए सदस्यों ने वॉक फॉर नेशन के माध्यम से पूरे सिविक सेंटर क्षेत्र में सामाजिक जागरूकता और स्वास्थ्य के प्रति संकल्प का संदेश दिया। इसके पश्चात ढ्ढष्टढ्ढ भवन में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सभी सदस्यों ने भाग लिया और स्वास्थ्य जांच की सुविधाओं का लाभ उठाया।

ब्रांच चेयरमैन सीए राजेश कुमार बाफना एवं सीए वीक कनवीनर सीए मिनेश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि यह आयोजन न केवल सीए सदस्यों के स्वास्थ्य और एकजुटता का प्रतीक है, बल्कि समाज के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी को भी दर्शाता है। स्वास्थ्य जांच में विभिन्न रक्त जांच, डेंटल चेकअप, आंखों का चेकअप, त्वचा एवं बाल संबंधी जानकारी एवं फिजियोथेरेपी की नि:शुल्क जांच हुई जिसमें 100 से अधिक सदस्यों ने लाभ उठाया। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व कार्यक्रम के दूसरे दिन पिकनिक डे का आयोजन भी भिलाई शाखा के सदस्यों एवं उनके परिवारों के साथ उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। पूरे 5 दिवसीय समारोह के कोऑर्डिनेटर्स सीए मिनेश जैन एवं सीए नितिन रूंगटा हैं। वहीं स्वास्थ्य शिविर के प्रभारी सीए आनंद दीक्षित, सीए पीयूष जैन एवं सीए नितिन लूनिया व पदयात्रा के प्रभारी सीए अमित कोचर थे। कार्यक्रम के दौरान ब्रांच सचिव सीए प्रभजीत सिंह जग्गी, साथ ही ब्रांच के सीए प्रतीक अग्रवाल, सीए तलविंदर सिंह, सीए सुखदेव राठी, सीए दिलीप जैन, सीए अमित राय, सीए राकेश डोडी, सीए भूषण चिपडे, सीए केतन ठक्कर, सीए दीपक जैन, सीए बसंत गुप्ता, सीए आनंद जिम्नानी, सीए पदम बरडिया, सीए सुरेश कोठारी एवं सीए हर्ष जैन आदि उपस्थित रहे।

भारत गौरव ट्रेन से दक्षिण भारत की दिव्य यात्रा, राजधानी रायपुर व दुर्ग-भिलाई के लोग भी कर सकते हैं बुकिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दक्षिण भारत के प्रमुख तीर्थ स्थलों पर भ्रमण करने के उद्देश्य से चर्चित भारत गौरव एक्सप्रेस चलने का फैसला लिया गया है जो बिहार और झारखंड सहित अनेक राज्यों के लोगों को दक्षिण भारत के प्रमुख तीर्थ स्थलों तक ले जाएगी। भागलपुर स्टेशन से इस भारत गौरव एक्सप्रेस की शुरुआत होगी और 12 दिवसीय यात्रा के तहत यात्रियों को तिरुपति, रामेश्वर, -मदुरई-कन्याकुमारी और मल्लिकार्जुन के दर्शन करवायेगी ।

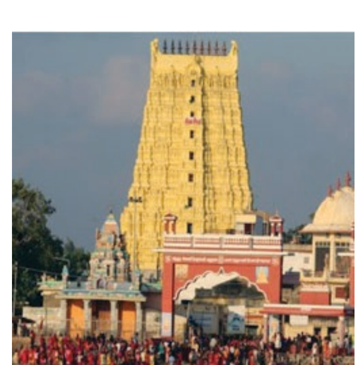

आईआरसीटीसी की इस विशेष पर्यटक ट्रेन के द्वारा भक्तों को दक्षिण भारत के कुछ सबसे प्रतिष्ठित मंदिरों और पवित्र स्थानों पर दिव्य उपस्थिति का अनुभव करने और आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर प्राप्त होगा। इस ट्रेन में भागलपुर, जसीडिह, मधुपुर, बराकर, धनबाद, बोकारो, मुरी, रांची, राउरकेला, झारसुगुडा, चाम्पा, बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग सहित कई बोर्डिंग और डिबोर्डिंग पॉइंट शामिल हैं।

स्लीपर क्लास (इकोनॉमी) की 640 सीटें उपलब्ध: इस भारत गौरव ट्रेन में स्लीपर क्लास (इकोनॉमी) की 640 सीटों की व्यवस्था की गई है जबकि तृतीय वातानुकूलित श्रेणी में 70 सीटें हैं। भारत गौरव यात्रा की टिकट लेने वाले यात्रियों को रेल यात्रा के साथ-साथ सड़क यात्रा, भोजन (चाय, नाश्ता, लंच, डिनर), डबल/ट्रिपल शेयरिंग के आधार पर आरामदायक और साफ आवास (इकोनॉमी के लिए नॉन-एसी; स्टैंडर्ड और कम्फर्ट क्लास के लिए एसी), बसों द्वारा स्थानांतरण और दर्शनीय स्थलों की यात्रा, ऑनबोर्ड टूर एस्कॉर्ट, हाउसकीपिंग, सुरक्षा और पैरामेडिकल स्टाफ की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

तीर्थ यात्रा के लिए है किफायती

यह यात्रा आराम और सुरक्षा के साथ कई तीर्थों के दर्शन और आध्यात्मिक पूर्ति प्राप्त करने का एक अद्वितीय मौका प्रदान करती है। वो भी किफायती कीमत पर। बिहार झारखंड और छत्तीसगढ़ राज्यों के जो लोग इस यात्रा के भागीदार बनना चाहते हैं वह ढ्ढक्रष्टञ्जष्ट के कोलकाता और रांची कार्यालय या अधिकृत एजेंटों) के माध्यम से भी बुकिंग कर सकते हैं ।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

सेवानिवृत्ति पर निगम उपायुक्त एके हालदार का सम्मान, बुके और स्मृतिचिन्ह भेंट कर दी विदाई

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के उपायुक्त एके हालदार का उनकी 30 जून 2025 सोमवार को होने जा रही सेवानिवृत्ति के पूर्व नगर निगम रायपुर के सेवानिवृत्त स्वास्थ्य अधिकारी विजय पाण्डेय, नगर निगम अपर आयुक्त स्वास्थ्य विनोद पाण्डेय ने नगर निगम रायपुर के सभी जोन स्वास्थ्य अधिकारियों और स्वच्छता निरीक्षकों सहित उन्हें रायपुर नगर पालिक निगम में दी गयी सेवाओं को मुक्त कंठ से सराहते हुए छतरी, बुके और स्मृतिचिन्ह प्रदत्त कर सम्मानित किया।

रायपुर नगर पालिक निगम के सेवानिवृत्त स्वास्थ्य अधिकारी विजय पाण्डेय और अपर आयुक्त स्वास्थ्य विनोद पाण्डेय सहित सभी जोन स्वास्थ्य अधिकारियों और स्वच्छता निरीक्षकों ने दिनांक 30 जून 2025 को सेवानिवृत्त होने जा रहे रायपुर नगर निगम के उपायुक्त एके हालदार को स्वस्थ, सुखी, दीर्घायु जीवन हेतु हार्दिक शुभकामनायें दी।

निगम जोन 5 ने अवैध निर्माण, ठेला, गुमटी, भवन निर्माण सामग्री हटाने की कार्यवाही की

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक 5 के अंतर्गत रोहिणपुरम गोल चौक में सेवक राम पाण्डेय द्वारा किये गए अवैध निर्माण को हटाने की कार्यवाही की गयी है तथा गोल चौक में ज्ञानेंद्र बघेल द्वारा अनुमति के विपरीत किए जा रहे निर्माण पर रोक लगाते हुए फ्रंट एमओएस में किए जा रहे कॉलम निर्माण को हटाने की कार्यवाही की गयी है।

इसके साथ रोहिणीपुरम गोल चौक मुख्य मार्ग में ठेला, गुमटी, भवन निर्माण सामग्री को हटाने की कार्यवाही अभियान चलाकर की गयी। अभियान नगर निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर जोन 5 जोन कमिश्नर खीरसागर नायक एवं कार्यपालन अभियंता लाल महेंद्र प्रताप सिंह देव सहित सहायक अभियंता नागेश्वर राव रामटेके, उप अभियंता अंकुर मिश्रा एवं टिकेंद्र चंद्राकर की उपस्थिति में चलाया गया।

देश पर थोपा गया आपातकाल कांग्रेस के कुकृत्यों की निशानी: बृजमोहन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भाजपा रायपुर जिला द्वारा शनिवार को जिला कार्यालय एकात्म परिसर में आपातकाल की 50 वीं वर्षगांठ पर संगोष्ठी एवं लोकतंत्र के प्रहरियों के सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सर्वप्रथम भारत माता और महापुरुषों के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर वन्दे मातरम् गान के साथ कार्यक्रम प्रारंभ किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल एवं मुख्य वक्ता वरिष्ठ भाजपा नेता लोकतंत्र सेनानी संघ के प्रमुख सच्चिदानंद उपासने के रूप में शामिल हुए।

मुख्य अतिथि बृजमोहन अग्रवाल ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन हमें उस दौर की याद दिलाता है जब 1975 में देश की लोकतांत्रिक आत्मा को कुचलने की साजिश रची गई थी। जनता की आवाज़ दबा दी गई, संविधान को ताक पर रखकर सत्ता ने तानाशाही का रूप ले लिया। प्रेस की स्वतंत्रता, नागरिक अधिकार और न्यायपालिका की गरिमा - सब कुछ खतरे में पड़ गया था। लेकिन यह देश झुका नहीं। लोकतंत्र के रक्षकों ने संघर्ष किया, जेलें भरीं, और अंततः जनशक्ति ने सत्ता के अहंकार को पराजित किया। मुख्य वक्ता सच्चिदानंद उपासने ने 1975 में लगाए गए।

आपातकाल को लोकतंत्र पर काला धब्बा बताते हुए कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने नागरिक अधिकारों का हनन कर लोकतांत्रिक मूल्यों को कुचला 1975 में कांग्रेस द्वारा लगाए गए आपातकाल को देश पर थोपा गया। उन्होंने इसे कुशासन करार दिया और कहा कि यह भारतीय लोकतंत्र पर काला धब्बा था। जिला अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बताया कि किस प्रकार डॉ. मुखर्जी को कांग्रेस सरकार ने नजरबंद किया और यातनाएं दीं। उन्होंने कांग्रेस की जनविरोधी नीतियों पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में लोकतंत्र सेनानियों का शाल श्रीफल मोमेंटो के साथ सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्यरूप से विधायक राजेश मूणत, सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, महापौर मिनल चौबे,नंदन जैन, किशोर महानंद, श्रीचंद सुंदरानी, अमरजीत छाबड़ा, वर्णिका शर्मा, मंच का संचालन भाजपा जिला महामंत्री सत्यम दुआ ने एवं आभार ललित जयसिंग ने किया।

संगोष्ठी में जयंती भाई पटेल, अशोक पांडे, चन्नी वर्मा, अकबर अली,आशु चंद्रवंशी, गोपी साहू, हरीश ठाकुर, राजीव मिश्रा, संजय तिवारी, सुभाष अग्रवाल, राजू मिश्रा, जितेंद्र गोलछा, अनिल बाघ, संजय तिवारी, अभिषेक तिवारी चैतन्य टावरी, भोला साहू, विनय जैन, भागीरथी यादव, केदार धनगर, पुरुषोत्तम मोवले, संदीप जंघेल, संतोष कुमार सोनी, संदीप जांघेल, दलविंदर सिंह बेदी, संतोष साहू, अनूप खेलकर, रविंद्र सिंह ठाकुर, योगेश साहू, जितेंद्र गंडेचा, राम प्रजापति, भूपेंद्र सिंह, संजय शुक्ला, अनीश दास, सतीश छुगानी, दीपक शर्मा, संतोष साहू, शिव जलम दुबे, कपिल यादव,सहित पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

'संडे ऑन साइकिल' का आयोजन, हॉकी खिलाड़ियों ने साइकिल चलाकर दिया फिटनेस का संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत सरकार के खेल एवं युवा मंत्रालय की एक प्रमुख सामुदायिक पहल 'संडे ऑन साइकिल' का आयोजन हॉकी खिलाड़ियों के साथ बलदेव प्रसाद मिश्र स्कूल बसंतपुर में किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के हॉकी खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और आमजन को फिटनेस के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष फिरोज अंसारी विशेष अतिथि के रूप में साईं के प्रबंधक केसी त्रिपाठी बसंतपुर वॉर्ड 46 के पार्षद शेखर यादव वॉर्ड 43 के पार्षद प्रतिनिधि राजेश यादव, NIS हॉकी कोच अनुराज श्रीवास्तव, कस्टम अधिकारी दीपेश चौबे, योगेश द्विवेदी, विकास वैष्णव मौजूद थे।

कार्यक्रम की शुरुआत साइकिल रैली से हुई, जिसे छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष फिरोज अंसारी ने हरि झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र स्कूल से प्रारंभ होके तेलीपारा, कोस्टा गली से महामाया चौक, बाजार चौक, क्लब चौक, खेलेपारा से होते हुए वापस बलदेव प्रसाद स्कूल में समाप्त हुई तत्पश्चात उपस्थित सभी लोगों को राष्ट्र के प्रति एकता और अखंडता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर मुख्य अतिथि फिरोज अंसारी ने अपने संबोधन में कहा कि साइक्लिंग आम लोगों के लिए एक सरल, सस्ती और प्रभावी फिटनेस गतिविधि है। यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2019 में शुरू किए गए फिट इंडिया मूवमेंट के उद्देश्य को जमीनी स्तर पर साकार करता है।

कार्यक्रम में नागरिकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी यह दर्शाती है कि फिटनेस अब केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी बन चुकी है। श्री अंसारी ने कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल स्वास्थ्य बल्कि सामाजिक जुड़ाव भी मजबूत होता है। भारतीय खेल प्राधिकरण, राजनांदगांव के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम से शिक्षा, खेल और अनुशासन के माध्यम से क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आया है। आयोजन में साईं के हांकी कोच परमजीत सिंह, बास्केटबाल कोच कु दिव्या धारव, कु. एहि, समाजसेवी लक्ष्मण यादव, पियूष चितलांग्या, हेमंत यादव, रूपेश साहू, मुन्ना जायसवाल सुखदेव कुमार, सहित, वरिष्ठ खिलाड़ी और स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। मंच संचालन भारतीय खेल प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी प्रदीप शर्मा ने की।

फुटवियर एसोसिएशन ने चेंबर अध्यक्ष से की मुलाकात

रायपुर। छत्तीसगढ़ फुटवियर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष शिव गंगवानी ने छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष से मुलाकात की। इस मुलाकात का मुख्य उद्देश्य माल और सेवा कर (जीएसटी) के लगातार होते छापों पर चिंता व्यक्त की एवं छोटे छोटे दुकानदारों से जबरदस्ती रकम जमा करवाने का दबाव बना रहे हैं। जिस पर व्यापारियों ने बड़ा रोष व्यक्त किया है एवं प्रदेश बंद का आवाहन चेंबर से किया है। चेंबर अध्यक्ष सतीश थौरानी ने फुटवियर व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उन्हें आश्वासन दिया कि चेंबर उनकी इन चिंताओं को उचित मंचों पर उठाएगा। उन्होंने कहा कि व्यापारिक समुदाय के सामने आ रही इन समस्याओं का समाधान सरकार के साथ मिलकर निकालने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। थौरानी ने व्यापारिक हितों की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। थौरानी ने जल्द ही एक हेल्प डेक्स बनाने का व्यापारियों को आश्वासन दिया जिसके अंतर्गत जीएसटी एवं इनकम टैक्स से संबंधित परेशानियों का समाधान किया जाएगा।

48वीं अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल योगा स्पर्धा का हुआ समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 48वीं अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल योगा प्रतियोगिता-2025 का आयोजन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के मंडल मुख्यालय रायपुर में 26 जून से 28 जून तक डब्ल्यूआरएस रेलवे कॉलोनी स्थित सामुदायिक भवन मे किया गया है। इस प्रतियोगिता मे क्षेत्रिय रेलों एवं रेलवे सुरक्षा विशेष बल सहित 14 टीमो के 65 बल सदस्यों ने भाग लिया। 28 जून को प्रतियोंगिता का समापन समारोह आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथी मुन्नवर खुर्शीद, महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, बिलासपुर विशिष्ट अतिथि दयानंद मंडल रेल प्रबंधक रायपुर उपस्थित थे। कार्यक्रम में रमन कुमार, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त रायपुर, वीके लांजीवार सहायक सुरक्षा आयुक्त रायपुर, संदीप डी. खिरटकर, सहायक सुरक्षा आयुक्त और अन्य शाखा अधिकारी उपस्थित थे। इस प्रतियोगिता की विनर दक्षिण रेलवे रही तथा मध्य रेलवे ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। समापन कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के द्वारा योग के लाभ पर प्रकाश डाला गया और सभी बल सदस्यों को अपने जीवन में योग अपनाने का सुझाव दिया गया।

बच्चों ने सीखी शान्ति कलश की विधि

रायपुर। श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर में सौ से ज्यादा बच्चों ने इस संडे को शान्ति कलश की विधि सिखी। ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि इस भौतिक युग में बच्चों के जीवन को धर्म के मार्ग पर मोडना जरूरी है इसी उद्देश्य से गुरुदेव की प्रेरणा से प्रति संडे बच्चों को स्नात्र पूजा, चंदन पूजा व पूजा विधि के सुत्रों का अध्ययन कराया जाता है। इसी कड़ी में आज बच्चों को शान्ति कलश की विधि सिखाई गई ।

डेंगू से निपटने स्वास्थ्य विभाग ने किया सतर्क

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बरसात के मौसम में डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों की आशंका को देखते हुए रायपुर जिला प्रशासन अलर्ट मोड में है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू नियंत्रण के लिए व्यापक अभियान शुरू किया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश चौधरी ने बताया कि जिले में मितानिनों, ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति और समुदाय की भागीदारी से सोर्स रिडक्शन गतिविधियां चलाई जा रही हैं। इसके तहत कूलर, टंकी, टायर, फूलदान, फ्रिज ट्रे आदि में जमा पानी हटाया जा रहा है, और जरूरत पड़ने पर टेमीफास लार्वीसाइड का छिड़काव किया जा रहा है। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. विमल किशोर राय ने कहा कि डेंगू की रोकथाम घर से ही शुरू होती है।

लोगों से अपील

सप्ताह में कम से कम 10 मिनट निकालकर अपने घरों को मच्छर मुक्त बनाएं। डेंगू से बचाव के लिए सुझाव घरों में जमा पानी सप्ताह में एक बार हटाएं (ड्राय डे मनाएं), कूलर, टंकी और बर्तनों को ढंककर रखें, पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनें, बुखार होने पर पैरासिटामोल लें, तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें, सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें।

जोन क्र. 10 अध्यक्ष के पदभार ग्रहण समारोह में शामिल हुए सांसद बृजमोहन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वार्ड क्र. 56 के पार्षद सचिन मेघानी ने शुक्रवार को जोन क्रमांक 10 के अध्यक्ष पद का कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट अरविंद दीक्षित समारोह में विशेष रूप से उपस्थित होकर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

ले. दीक्षित ने अपने संदेश में कहा कि यह अवसर जनसेवा के प्रति श्री मेघानी की प्रतिबद्धता और संगठन के प्रति उनकी निष्ठा का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सचिन मेघानी नई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा, ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ निभाएंगे और अपने क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। समारोह में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही, जिन्होंने श्री मेघानी को शुभकामनाएं दीं और उनके नेतृत्व में जोन के विकास की उम्मीद जताई।

30 वर्षों तक शिक्षा की अलख जगाने का मिला सम्मान

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने समारोह पूर्वक शिक्षाविद व प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर विजय चोपड़ा का अभिनन्दन किया । जेडी डागा स्कूल में आयोजित समारोह में विगत 30 वर्षों से अनवरत शिक्षा के क्षेत्र में किये गए योगदान के मद्देनजर श्री चोपड़ा का सम्मान किया गया । ज्ञात हो कि विगत 30 वर्षों से विजय चोपड़ा जैन समाज द्वारा निर्धन तबके के लिए संचालित आदिश्वर जैन कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला का सफलतापूर्वक संचालन कर रहे हैं। साथ ही विजय चोपड़ा वर्द्धमान इंग्लिश मीडियम स्कूल सदर बाजार व वर्द्धमान दी स्कूल के संस्थापक हैं व सफलतापूर्वक संचालन कर रहे हैं।

श्री चोपड़ा ने अनेक वर्षों तक सर्वोदय विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बूढ़ापारा एवं सन्तोषीनगर में भी अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। अभिनन्दन समारोह में छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव गुप्ता के कहा कि एसोसिएशन के संस्थापक सदस्यों में एक विजय चोपड़ा का जीवन बच्चों में शिक्षा की अलख जगाने में समर्पित रहा है। चोपड़ा ने विगत 30 वर्षों में प्रारंभ से ही विपरीत परिस्थितियों में वंचित बच्चों को शिक्षा देने उल्लेखनीय योगदान दिया है। चोपड़ा का अभिनन्दन शिक्षा के क्षेत्र में व मोटिवेशनल स्पीकर के रूप में उनके योगदान का सम्मान है। समारोह में छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव गुप्ता, महासचिव मोती जैन, उपाध्यक्ष मनीष डागा, संस्थापक सदस्य अशोक शिवहरे सहित सदस्यगण, शिक्षक व छात्रगण उपस्थित थे।

डाटा साइंस व एआई का अध्ययन, आज की आवश्यकता-: डॉ. शुक्ल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय रायपुर के शिक्षाविभाग एवं कंप्यूटर विभाग द्वारा शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का समावेश विषय पर दो दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस विप्र महाविद्यालय और शासकीय के. आर डी महाविद्यालय नवागढ़ बेमेतरा, महंत लक्ष्मीनारायण दास महाविद्यालय रायपुर एवं वीतराग रिसर्च फॉउंडेशन के संयुक्त तत्त्वावधान में प्रारंभ हुआ।

उदघाटन समारोह मुख्य अतिथि डॉ. सच्चिदानंद शुक्ला (कुलपति, पं. रविशंकर शुक्ल विवि रायपुर की गरिमामय उपस्थिति एवं ज्ञानेश शर्मा (अध्यक्ष विप्र शिक्षण समिति)की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि प्रो. गिरीशकांत पाण्डेय(शासकीय के. आरडी महाविद्यालय नवागढ़, बेमेतरा) एवं प्राचार्य डॉ. देवाशीष मुखर्जी (महंत लक्ष्मीनारायण

दास महाविद्यालय रायपुर) उपस्थित थे।

उदघाटन समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. सच्चिदानंद शुक्ल ने कहा कि डाटा साइंस और ए आई का अध्ययन भविष्य की आवश्यकता है। इसी बात को ध्यान में रखकर पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में इस वर्ष से डाटा साइंस मे एमएससी प्रारंभ करने का प्रयास किया जा रहा है। एआई आज का विषय नहीं है, सन 1845 में बूलीनय अलजेब्रा का आविष्कार के साथ इसका प्रारंभ हो गया था। आज बायो ट्रांजिस्टर पर सफलतापूर्वक शोध के बाद चिकित्सा के क्षेत्र में आने वाले वर्षों में क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिलेगा। इसी प्रकार हर क्षेत्र में एआई का दखल रहेगा और आने वाले 10 वर्ष में होने वाले बदलाव के लिए हमारे विद्यार्थियों और शिक्षकों को तैयार रहना चाहिए। इसलिए इस प्रकार के विषय पर सेमिनार और शोध महत्वपूर्ण होता है। इस अवसर पर ज्ञानेश शर्मा, डॉ. गिरीश कांत पांडे एवं डॉ. देवाशीष मुखर्जी ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए सेमिनार की उपयोगिता को वर्तमान समय के लिए आवश्यक और महत्वपूर्ण बताया।

इस अवसर पर सत्र 2024 -25 में दानदाताओं और शहीदों की स्मृति में प्रावीणय सम्मान समारोह के अंतर्गत प्रावीणनता के आधार पर चयनित विद्यार्थियों का सम्मान मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। डॉ. बालकृष्ण शर्मा सर्वश्रेष्ठ छात्रा सम्मान एमपीएड के मनोज प्रधान को प्रदान किया गया। मनोज प्रधान ने विश्वविद्यालय मेरिट में पांचवा स्थान प्राप्त किया। शहीद राजीव पांडे सम्मान बी.एड. के प्रवीण साहू को मेरिट में आठवा स्थान आने पर प्रदान किया गया। शहीद भास्कर दीवान सम्मान वाणिज्य संकाय के विदिशा चौरसिया को प्रदान किया गया। अभिषेक तिवारी खिलाड़ी सम्मान ऑल इंडिया लेवल पर सॉफ्टबॉल में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाले नीलम नंदेश्वर को प्रदान किया गया। पवन उषा दुबे स्मृति छात्रवृत्ति वाणिज्य संकाय के तुकेश यादव ,मनोरमा सोना और लक्ष्मी पाठक को प्रदान किया गया। गणेश शंकर शुक्ल स्मृति छात्रवृत्ति बीएड के उपेंद्र साई को प्रदान किया गया। प्रो. के के पांडे स्मृति छात्रवृत्ति बीसीए के संभावना कौशिक और बीएससी के मुकेश बंजारे को दिया गया। गौरव शुक्ला स्मृति छात्रवृत्ति प्रबंधन विभाग के छात्र हिमांशु खरे ने प्राप्त किया।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रथम दिवस के उद्घाटन सत्र के अवसर पर डॉ.दिव्या शर्मा द्वारा दोनों सत्रों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ए आई का उपयोग सही दिशा में करने की बात कही।विप्र कॉलेज के प्राचार्य डॉ.मेघेश तिवारी ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में ए आई की उपयोगिता आने वाले समय में बहुत महत्वपूर्ण होगा ।अतः इस सम सामाजिक विषय पर सेमिनार निश्चित ही विद्यार्थी और शिक्षकों के लिए लाभकारी होगा।

'अब्बा डब्बा जब्बा' से 'पिंकी बुआ' तक, उपासना सिंह ने हर किरदार में बिखेरा हंसी का जादू

'अब्बा डब्बा जब्बा' का जादू हो या 'पिंकी बुआ' की हाजिरजवाबी, उपासना सिंह ने अपने अभिनय और कॉमिक टाइमिंग से हर किरदार से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। उनकी जिंदगी की कहानी भी उतनी ही खूबसूरत और प्रेरणादायक है, जितने उनके किरदार। पंजाब के छोटे से शहर से निकलकर टीवी और फिल्म इंडस्ट्री तक का सफर तय करने वाली उपासना की कहानी किसी स्क्रिप्ट से कम नहीं।

पंजाब के होशियारपुर में 29 जून 1975 को जन्मीं उपासना सिंह का बचपन सादगी और सपनों से भरा था। मध्यमवर्गीय परिवार में पली-बढ़ी उपासना को बचपन से ही अभिनय का शौक था। महज सात साल की उम्र में वह स्कूल की ओर से दूरदर्शन पर कार्यक्रम प्रस्तुत करती थीं। यह वह दौर था जब उपासना का सपना डॉक्टर बनने का था, लेकिन किस्मत ने उन्हें अभिनय की दुनिया में पहुंचा दिया। पंजाब यूनिवर्सिटी से ड्रामेटिक आर्ट्स में मास्टर्स की डिग्री हासिल करने वाली उपासना ने पढ़ाई के दौरान ही एक्टिंग की शुरुआत कर दी थी।

उपासना ने 1986 में राजश्री प्रोडक्शंस की फिल्म 'बाबुल' से बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट करियर की शुरुआत की। हालांकि, असली पहचान उन्हें साल 1988 में राजस्थानी फिल्म 'बाई चली सासरिए' से मिली, जो उस दौर की सबसे सफल राजस्थानी फिल्मों में से एक थी। यह फिल्म 100 दिनों तक सिनेमाघरों में चली और उपासना की अभिनय प्रतिभा को नई ऊंचाइयों तक ले गई। इसके बाद उन्होंने पंजाबी, गुजराती, भोजपुरी और हिंदी सिनेमा में अपनी छाप छोड़ी।

'जुदाई' (1997) में उनके 'अब्बा डब्बा जब्बा' डायलॉग ने उन्हें मशहूर कर दिया। इस फिल्म में उपासना की कमाल की कॉमिक टाइमिंग ने दर्शकों को हंसा-हंसाकर लोटपोट कर दिया। उपासना ने करीब 70 से अधिक हिंदी फिल्मों और 40 से ज्यादा भोजपुरी फिल्मों के साथ ही पंजाबी, गुजराती और राजस्थानी सिनेमा में भी काम किया है। 'लोफर', 'हंगामा', 'हलचल', 'एतराज' और 'जुड़वा 2' जैसी फल्मों में उनके छोटे लेकिन प्रभावशाली किरदारों ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया।

उपासना सिंह एक ऐसा नाम है, जो न केवल फिल्म बल्कि टीवी की दुनिया में भी सफल रहीं। फिर 'द कपिल शर्मा शो' में 'पिंकी बुआ' के किरदार की बात हो या 'सोनपरी' की 'काली परी' की। 'पिंकी बुआ' की हाजिरजवाबी और पंजाबी अंदाज में अंग्रेजी बोलने की शैली ने दर्शकों को खूब हंसाया। यह किरदार इतना लोकप्रिय हुआ कि उपासना 'टीवी की बुआ' के नाम से मशहूर हो गईं। इसके अलावा, स्टार प्लस के बच्चों के पसंदीदा शो 'सोनपरी' में 'काली परी' के नकारात्मक किरदार ने भी उन्हें खूब सुर्खियां दिलाईं। शैतान से जन्मी, अंधेरों में पली, कहते हैं सब मुझको काली परी यह डायलॉग आज भी बच्चों के जेहन में ताजा है।

उपासना की निजी जिंदगी भी सुर्खियों में रही। साल 2009 में उन्होंने टीवी अभिनेता नीरज भारद्वाज से शादी की, जिनके साथ उन्होंने सीरियल 'ऐ-दिल-ए-नादान' में काम किया था। हालांकि, दोनों तलाक की अर्जी दाखिल करने के साथ ही एक-दूसरे से अलग हो गए थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, उपासना पति के पास वापस लौट चुकी हैं। उनका एक बेटा है, जिसका नाम उन्होंने नानक सिंह रखा है। 50 साल की उम्र में भी उपासना सिंह की ऊर्जा और जुनून में कोई कमी नहीं है। हाल ही में उन्होंने पंजाबी फिल्म 'बाई जी कुट्टन गै' का निर्देशन किया, जिसके लिए वह मिस यूनिवर्स हरनाज कौर संधू के खिलाफ कानूनी विवाद में भी उलझीं। उपासना ने हरनाज पर फिल्म के प्रमोशन के लिए समय नहीं देने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया था।

मेरे लिए दिव्य प्रेम: प्यार और रहस्य की कहानी में काम करना शानदार अवसर की तरह : श्रुति

अभिनेत्री श्रुति आनंद अपनी अपकमिंग ड्रामा सीरीज' दिव्य प्रेम: प्यार और रहस्य की कहानी' के साथ फैंटेसी की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। इस शो में वह दिव्या की मां नेत्रा की अहम भूमिका निभाएंगी। यह शो उनके लिए खास है, क्योंकि यह उनकी पहली फैंटेसी प्रोजेक्ट है।

श्रुति ने इस नए अनुभव के बारे में उत्साह जताते हुए कहा, यह मेरा पहला फैंटेसी शो है और यही इसे मेरे लिए खास बनाता है। मैंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं किया, मैं पहली बार ऐसे किरदार में काम करने जा रही हूं। जब मुझे कॉल आया और बताया गया कि कहानी मेरे किरदार से शुरू होती है, तो मैं यह सुनकर उत्साहित हो गई।

श्रुति ने अब तक दो शो किए हैं, जिनमें उन्होंने सकारात्मक और प्यारी लड़कियों की भूमिकाएं निभाई थीं। लेकिन फैंटेसी उनके लिए एक नई दुनिया है। उन्होंने कहा, मैं फैंटेसी की दुनिया को तलाशना चाहती थी और यह शो मुझे वह मौका दे रहा है।

श्रुति ने इसे एक सीखने की यात्रा बताया। वह कहती हैं, मैं बहुत कुछ सीख रही हूं, जैसे फैंटेसी सीन कैसे शूट होते हैं, ग्राफिक्स और स्पेशल इफेक्ट का इस्तेमाल कैसे होता है और मैजिकल सीन्स को कैसे जीवंत किया जाता है। हमारे निर्देशक को इस शैली में बहुत अनुभव है। वे मुझे सही मुद्रा से लेकर जादुई क्षणों में अभिनय तक, हर चीज कदम-कदम पर सिखा रहे हैं। मैं इस नई यात्रा का पूरा आनंद ले रही हूं।

'दिव्य प्रेम: प्यार और रहस्य की कहानी' में श्रुति के साथ मेघा और सूरज प्रताप सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह शो प्यार, रहस्य और जादू का अनोखा मिश्रण है। दर्शकों को इस फैंटेसी ड्रामा का बेसब्री से इंतजार है। शो का प्रीमियर 16 जून से सन नियो चैनल पर होगा। श्रुति की यह नई शुरुआत उनके प्रशंसकों के लिए एक खास तोहफा होगी, और उनकी मेहनत इस शो को और भी खास बनाएगी।

ब्लैक बॉडीकोन ड्रेस में सनबाथ लेते दिखीं जान्हवी कपूर

जान्हवी कपूर एक्टिंग के साथ-साथ अपने स्टाइल और फैशन सेंस के कारण खूब चर्चा में रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने बेहद सिजलिंग तस्वीरें शेयर की हैं।

जान्हवी कपूर ने बेहद कम समय में हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना ली है। जान्हवी कपूर एक्टिंग के साथ-साथ अपने स्टाइल और फैशन सेंस के कारण खूब चर्चा में रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने बेहद सिजलिंग तस्वीरें शेयर की हैं। एक्ट्रेस जान्हवी कपूर बॉडीकोन ड्रेस में अपनी समर स्टाइल फ्लॉन्ट कर रही हैं। ग्लोसी फिट ड्रेस में जान्हवी कपूर का लुक बेहद बोल्ड लग रहा है। एक्ट्रेस सनबाथ लेते नजर आ रही हैं। उनकी ब्लैक बॉडीकोन में प्लंजिंग नेकलाइन दी गई है। उन्होंने मिनिमल मेकअप कैरी किया है।

एक्ट्रेस जान्हवी कपूर बॉडीकोन ड्रेस में अपनी समर स्टाइल फ्लॉन्ट कर रही हैं। ग्लोसी फिट ड्रेस में जान्हवी कपूर का लुक बेहद बोल्ड लग रहा है। एक्ट्रेस सनबाथ लेते नजर आ रही हैं। उनकी ब्लैक बॉडीकोन में प्लंजिंग नेकलाइन दी गई है। उन्होंने मिनिमल मेकअप कैरी किया है। जान्हवी कपूर अपने फैशन और स्टाइल के साथ एक्सपेरिमेंट करती रहती हैं। व्हाइट शॉर्ट ड्रेस में जान्हवी का लुक बेहद ग्लैमरस लग रहा है। डीप नेकलाइन शॉर्ट ड्रेसके साथ उन्होंने ट्रेंच कोट कैरी किया है। जान्हवी ने व्हाइट ड्रेस के साथ ब्लैक सनग्लासेज कैरी किए हैं। जान्हवी कपूर गाउन में भी बेहद खूबसूरत लगती हैं। ब्लैक ऑफ शोल्डर गाउन में जान्हवी का बेहद गॉर्जियस लग रही हैं। एक्ट्रेस ड्रैमेटिक लुक के लिए ब्लैक ग्लव्स भी पहने हैं।

जान्हवी कपूर गाउन में भी बेहद खूबसूरत लगती हैं। ब्लैक ऑफ शोल्डर गाउन में जान्हवी का बेहद गॉर्जियस लग रही हैं। एक्ट्रेस ड्रैमेटिक लुक के लिए ब्लैक ग्लव्स भी पहने हैं। लेमन कटआउट ड्रेस में ड्रेस में एक्ट्रेस जान्हवी कपूर का लुक किसी हसीना से कम नहीं लग रहा है। हाल्टर नेकलाइन औहद ग्वलैर कॉर्सेट फिट वाली ड्रेस के साथ उन्होंने स्लीक वेवी हेयर स्टाइल कैरी किया है। जान्हवी कपूर अपने फैशन और स्टाइल के साथ एक्सपेरिमेंट करती रहती हैं। व्हाइट शॉर्ट ड्रेस में जान्हवी का लुक बेहद ग्लैमरस लग रहा है। डीप नेकलाइन शॉर्ट ड्रेसके साथ उन्होंने ट्रेंच कोट कैरी किया है। जान्हवी ने ड्रेस के साथ ब्लैक सनग्लासेज कैरी किए हैं। लेमन कटआउट ड्रेस में ड्रेस में एक्ट्रेस जान्हवी कपूर का लुक किसी हसीना से कम नहीं लग रहा है। हाल्टर नेकलाइन औहद ग्वलैर कॉर्सेट फिट वाली ड्रेस के साथ उन्होंने स्लीक वेवी हेयर स्टाइल कैरी किया है।

पैकेट वाले खाद्य पदार्थों में सिंथेटिक रंग का इस्तेमाल है आम, अध्ययन में खुलासा

स्वास्थ्य विशेषज्ञ हमेशा से पैकेट वाले भोजन को अस्वास्थ्यकर बताते आए हैं। उनमें प्रिजर्वेटिव से लेकर अधिक चीनी तक, कई ऐसी सामग्रियां मिलाई जाती हैं, जो उनके पोषण को घटा देती हैं। हालांकि, अब एक नए अध्ययन के जरिए पता चला है कि अमेरिका में मिलने वाले पैकेट वाले खाद्य पदार्थों में सिंथेटिक खाद्य रंगों का इस्तेमाल बेहद आम है। आइए इस अहम अध्ययन के बारे में विस्तार से जानते हैं।

3 संस्थाओं ने मिलकर पूरा किया यह अध्ययन

इस अध्ययन को जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ, यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना और सेंटर फॉर साइंस इन पब्लिक इंटरेस्ट के शोधकर्ताओं ने मिलकर पूरा किया है। इसे जर्नल ऑफ द एकेडमी ऑफ न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स नामक पत्रिका में प्रकाशित भी किया गया है। इसके जरिए सामने आया है कि पैकेट वाले लगभग 19 प्रतिशत खाद्य पदार्थों और पेय पदार्थों में सिंथेटिक खाद्य रंग मिलाए जाते हैं, जिससे उत्पाद और आकर्षक बन जाते हैं।

दुकानों पर बिकने वाले खाद्य पदार्थों की हुई जांच

इस अध्ययन के लिए अमेरिका के 39,763 ग्रोसरी स्टोर यानि किराने की दुकानों पर बिकने वाले उत्पादों की सामग्री की

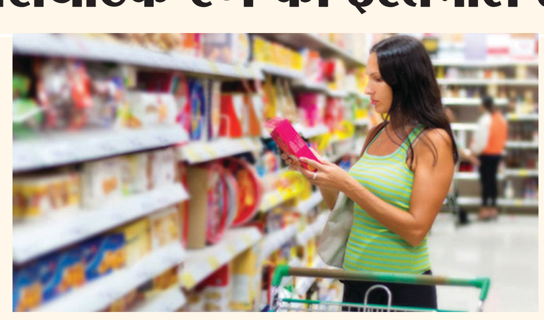

जांच की गई थी। शोधकर्ताओं ने शीर्ष 25 अमेरिकी खाद्य निर्माताओं द्वारा उत्पादित पैकेट वाले खाद्य और पेय पदार्थों का डाटा इखट्टा किया। उन्होंने खास तौर से शीर्ष 5 खाद्य श्रेणियों वाले उत्पादों की जांच की, जो अक्सर बच्चों को पसंद आते हैं। इनमें टॉफी-चॉकलेट, मीठे पेय, तैयार भोजन, सीरियल्स और केक, कुकी व पेस्ट्री जैसे बेक्ड सामान शामिल थे।

क्या रहे इस अध्ययन के नतीजे?

इन 5 श्रेणियों के उत्पादों में सिंथेटिक रंग होने की संभावना सबसे अधिक थी। बाकि श्रेणियों में सिंथेटिक रंग केवल 11 प्रतिशत था, वहीं इन 5 में उसकी मौजूदगी 28 प्रतिशत पाई गई थी। इसके अलावा, सिंथेटिक रंग वाले उत्पादों में औसत चीनी सामग्री बिना रंग वाले उत्पादों की तुलना में 141 प्रतिशत ज्यादा थी। इन उत्पादों में शामिल जीवंत रंग और चीनी बच्चों से लेकर बड़ों तक, सभी को बीमार करने के लिए काफी है।

जोखिम जानने के बाद भी नहीं बंद हो रहा उपयोग

द जॉर्ज इंस्टीट्यूट की शोधकर्ता डॉ. एलिजाबेथ डनफोर्ड ने कहा कि खाद्य पदार्थों में सिंथेटिक रंगों की निरंतर उपस्थिति चिंता का कारण है। उन्होंने कहा, पिछले 40 सालों में सिंथेटिक रंगों के स्वास्थ्य संबंधी नुकसानों की ओर इशारा करने वाले साक्ष्यों के बावजूद यह देखना निराशाजनक है कि वे अभी भी खाद्य पदार्थों में इतने प्रचलित हैं। कन्फेक्शनरी उत्पादों में सबसे ज्यादा सिंथेटिक रंग होते हैं, जिनमें फेरेरो (60 प्रतिशत) और मार्स (52 प्रतिशत) सबसे आगे हैं।

सिंथेटिक रंग बन सकते हैं समस्याओं का कारण

सिंथेटिक रंगों को शामिल करके कंपनियां अपने उत्पादों को आकर्षक दिखाने का प्रयास करती हैं। ये खास तौर से बच्चों के लिए बनाए गए उत्पादों में इस्तेमाल होती हैं, ताकि वे रंगों की और आकर्षित हो कर उन्हें खाएं। ये रंग तनाव और ध्यान न लगा पाने जैसी व्यवहार संबंधी समस्याएं पैदा कर सकते हैं या मधुमेह जैसी स्थितियों का कारण बन सकते हैं। शोधकर्ता कहते हैं कि अमेरिकी खाद्य पदार्थों में सिंथेटिक रंग पूरी तरह से अनावश्यक हैं।

एक्ट्रेस शनाया कपूर ने ऑफ-शोल्डर बॉडीकॉन ड्रेस में ढाया कहर, इंस्टाग्राम पर शेयर की स्टनिंग तस्वीरें

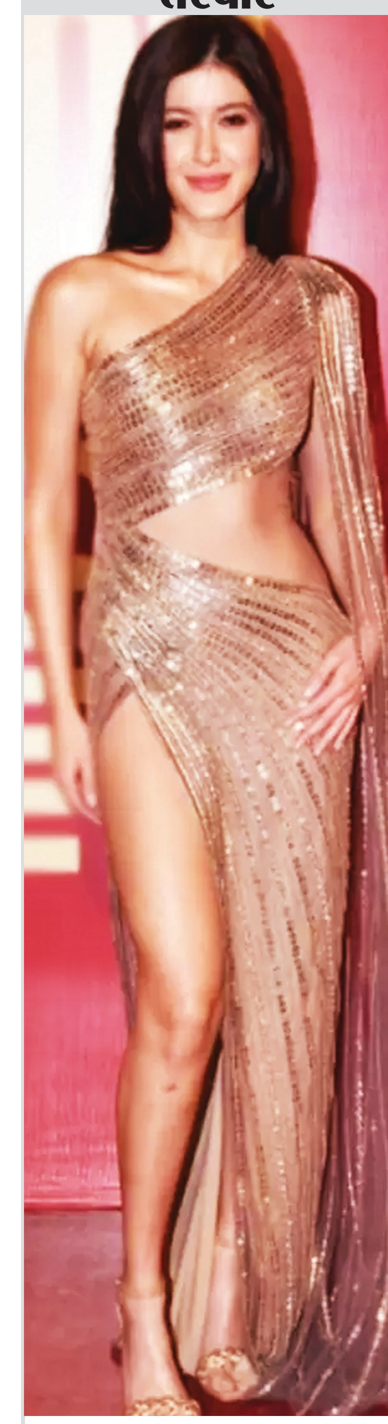

शनाया कपूर ने एक बार फिर अपने लेटेस्ट फोटोशूट से सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। शनाया ने ऑफ-शोल्डर बॉडीकॉन ड्रेस में कुछ बेहद खूबसूरत तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका कॉन्फिडेंस, पोज और एलिगेंस फैंस का दिल जीत रहा है।

शनाया कपूर ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है कि यहाँ हम चलते हैं और साथ में एकेजी 11 जुलाई भी टैग किया, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि ये उनके किसी अपकमिंग प्रोजेक्ट या शूट का हिस्सा हो सकता है। तस्वीरों में शनाया का मिनिमल मेकअप और सॉफ्ट कर्ल्स में हेयरस्टाइल उनके लुक को और भी क्लासी बना रहा है।

जैसे ही शनाया ने ये तस्वीरें शेयर कीं, सोशल मीडिया पर तारीफों की बाढ़ आ गई। तारा सुतारिया, महीप कपूर से लेकर अनिल कपूर तक कई सेलेब्स ने उनके लुक की जमकर तारीफ की। किसी ने उन्हें ग्लोइंग कहा तो किसी ने हॉट बताया। वहीं फैंस भी दिल और फायर इमोजी के साथ कमेंट कर रहे हैं। शनाया कपूर का ये स्टाइलिश अवतार फैंस के बीच तेजी से वायरल हो रहा है। कुछ ही घंटों में हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं। शनाया का यह ग्लैमरस लुक साबित करता है कि वह न सिर्फ एक्टिंग बल्कि फैशन के मामले में भी इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना रही हैं।

शनाया कपूर का ये अंदाज एक बार फिर यह दिखाता है कि वह नई जेनरेशन की फैशन आइकन बनने की पूरी काबिलियत रखती हैं। फैंस अब बेसब्री से उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट्स का इंतजार कर रहे हैं।

आज से ही चीनी का सेवन करें कम, क्यों जरूरी है ये, परेशानियों से मिल सकता है छुटकारा

चीनी का सेवन स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसकी अधिक मात्रा सेहत पर बुरा असर डाल सकती है। यही वजह है कि डॉक्टर और पोषण विशेषज्ञ चीनी का सेवन कम करने की सलाह देते हैं। आइए आज हम आपको पांच ऐसे कारण बताते हैं, जिनके लिए चीनी का सेवन कम करना चाहिए और इनसे आपको सेहत से जुड़ी कई परेशानियों से छुटकारा मिल सकता है।

बढ़ा सकती है वजन

चीनी का अधिक सेवन वजन बढ़ाने का कारण बन सकता है। इसका मुख्य कारण है कि चीनी के अधिक सेवन से शरीर में अतिरिक्त कैलोरी जमा हो जाती है, जो मोटापे का कारण बनती है। इसके अलावा चीनी से भरपूर खाने का सेवन करने से पेट में गैस का संतुलन बिगड़ सकता है। साथ ही इससे पाचन क्रिया भी प्रभावित होती है। यह जानकारी वजन प्रबंधन के लिए जरूरी है।

मधुमेह का खतरा हो सकता है बढ़ा

चीनी का अधिक सेवन शरीर में इंसुलिन और ग्लूकोज के स्तर को असंतुलित कर सकता है, जिससे मधुमेह का खतरा बढ़ सकता है, खासकर टाइप-2 मधुमेह का खतरा ज्यादा हो सकता है। इसलिए अगर आपको पहले से ही मधुमेह है तो चीनी का सेवन कम कर दें। इसके अलावा चीनी के अधिक सेवन से इंसुलिन प्रतिरोध भी हो सकता है। यह मधुमेह के जोखिमों को समझने के लिए अहम है।

दिल के लिए है हानिकारक

चीनी का अधिक सेवन दिल की बीमारियों के जोखिमों को भी बढ़ा सकता है। कई अध्ययनों के मुताबिक, चीनी की अधिक मात्रा दिल की धमनियों में सूजन का कारण बन सकती है, जो दिल की बीमारियों का कारण बनती है। इसके अलावा चीनी का अधिक सेवन करने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी बढ़ सकता है, जिससे दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

मेटाबॉलिज्म को धीमा कर सकती है चीनी

चीनी का अधिक सेवन शरीर के मेटाबॉलिज्म को भी प्रभावित कर सकता है। दरअसल, चीनी में मौजूद ग्लूकोज शरीर में पहुंचकर इंसुलिन का स्तर बढ़ा

देता है, जिससे मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है। इसके अलावा चीनी का अधिक सेवन करने से पाचन क्रिया भी प्रभावित होती है। ऐसे में अगर आप वजन कम करने के लिए मेहनत कर रहे हैं तो चीनी का सेवन कम कर दें।

मुंह के स्वास्थ्य के लिए भी है हानिकारक

चीनी का अधिक सेवन मुंह के स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकता है। दरअसल, चीनी युक्त खाने के सेवन से मुंह में एसिड बनता है, जो दांतों की ऊपरी परत को नुकसान पहुंचाता है। इससे दांत संवेदनशील हो सकते हैं। इसके अलावा चीनी के अधिक सेवन से मुंह का सूखापन, बदबू और कैविटी जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि चीनी का सेवन कम करें।

मंत्री रामविचार नेताम ने केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से नागपुर में की सौजन्य मुलाकात

बलरामपुर शहर में 10 किलोमीटर फोरलेन बायपास मार्ग बनाने दिया प्रस्ताव

अम्बिकापुर-रामानुजगंज-गढ़वा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रं 343 कॉरीडोर का निर्माण है प्रगति पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के कृषि विकास एवं आदिम जाति कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने नागपुर, महाराष्ट्र में केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से सौजन्य मुलाकात की। मंत्री नेताम ने इस दौरान बताया कि निर्माणाधीन अम्बिकापुर-रामानुजगंज-गढ़वा राष्ट्रीय राजमार्ग कमांक-343 में कॉरीडोर योजना के लिए 397.44 करोड़ रुपये एवं 199.05 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

मंत्री नेताम ने केंद्रीय मंत्री गड़करी से आग्रह करते हुए कहा कि यह मार्ग अम्बिकापुर से रामानुजगंज होते हुए झारखण्ड को जोड़ने वाला अंतर्राज्यीय मुख्य मार्ग है। इस मार्ग से यात्री बसें, व्यावसायिक वाहन एवं आमजनों के आवागमन अधिक होने के साथ-साथ अति विशिष्टजनों का आवागमन भी होता है। इसी मार्ग पर बलरामपुर शहरी भाग स्थित है, जो कि जिला मुख्यालय है, जिसके दोनों ओर व्यवसायिक एवं आवासीय बसाहट है। सभी छोटे अथवा भारी वाहनों का आवागमन वर्तमान में शहरी क्षेत्र से होने के कारण आये दिन माल वाहकों से जाम की स्थिति एवं दुर्घटनाएं होती रहती है। मंत्री श्री नेताम ने बताया कि बलरामपुर शहरी क्षेत्र में आवागमन में होने वाली असुविधा को देखते हुए फोरलेन बायपास मार्ग अनुमानित लम्बाई 10 किलोमीटर की अत्यधिक आवश्यकता है। इसके निर्माण से आम नागरिकों के सुचारू आवागमन के साथ-साथ अन्तर्राज्यीय व्यवसाय एवं राजस्व में बढ़ोत्तरी होगी।

मंत्री नेताम ने केन्द्रीय मंत्री से बलरामपुर बायपास की स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया। इसके लिए जिला बलरामपुर-रामानुजगंज के निवासी आपका हृदय से आभारी रहेंगे। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री को बताया कि भारत सरकार राष्ट्रीय राजमार्ग भारत माला परियोजना के तहत दक्षिण छत्तीसगढ़ रायपुर से विशाखापट्टनम मार्ग का कार्य पूर्णता पर है। इससे प्रदेश के नागरिकों को सीधे दक्षिण भारत एवं महाराष्ट्र मुंबई की बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी। इसी तर्ज पर भारत माला परियोजना के तहत उत्तर छत्तीसगढ़ को जोड़ते हुए रायपुर-बिलासपुर-अम्बिकापुर से वाड्रफनगर होते हुए बनारस (वाराणसी) तक रोड के बन जाने से सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के नागरिकों को उत्तर दक्षिण एवं पूर्व पश्चिम के सभी महानगरों से बेहतर आवागमन की सुविधा प्राप्त हो जाएगी। मंत्री नेताम ने केन्द्रीय मंत्री गडकारी से रायपुर-बनारस मार्ग को भारत माला परियोजना के तहत शामिल कर स्वीकृति प्रदान करने का अग्राह किया।

छत्तीसगढ़ के वित्तीय प्रबंधन में वित्त अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिकाः मंत्री ओपी चौधरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने छत्तीसगढ़ के नीति प्रबंधन और नियंत्रण में राज्य वित्त सेवा के अधिकारियों की सराहना की और कहा कि राज्य के वित्तीय प्रबंधन में वित्त अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने वित्त सेवा के अधिकारियों को पूरी ईमानदारी और सजगता से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। वित्त मंत्री चौधरी राजधानी रायपुर के न्यू-सर्किट हाऊस में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य वित्त सेवा अधिकारी संघ के वार्षिक आमसभा एवं स्नेह सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने छत्तीसगढ़ राज्य वित्त सेवा अधिकारी संघ की विभिन्न मांगों पर आवश्यक पहल करने के लिए आश्वस्त किया। उन्होंने संघ की वेबसाईट का शुभारंभ तथा स्मारिका 'सुनिधि' का विमोचन तथा सेवानिवृत्त अधिकारियों को शॉल, श्रीफल व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष, सेवानिवृत्त प्रमुख सचिव छत्तीसगढ़ शासन आर.एस. विश्वकर्मा ने की।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शीतल शाश्वत वर्मा, विशेष सचिव वित्त विभाग, चंदन कुमार, विशेष सचिव वित्त विभाग एवं रितेश अग्रवाल, संचालक कोष एवं लेखा शामिल हुए। आमसभा एवं स्नेह सम्मेलन में सेवानिवृत्त वित्त अधिकारियों ने व्याख्यान दिए। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियाँ दी गईं। छत्तीसगढ़ राज्य वित्त सेवा अधिकारी संघ की अध्यक्ष डॉ. अल्पना घोष ने संघ का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और विभिन्न प्रस्तावों को सदस्यों के समक्ष रखा जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। संघ के कोषाध्यक्ष अनिल पाठक द्वारा संघ के आय-व्यय का विवरण सभा में रखा गया। संघ के सचिव सचिन शर्मा द्वारा धन्यवाद प्रेषित करने के पश्चात् सम्मेलन का समापन हुआ।

छोटे-छोटे प्रयास बड़े बदलाव का बनते हैं आधार - साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज रायपुर के भनपुरी स्थित पाटीदार समाज भवन में स्थानीय लोगों और युवाओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 123वीं कड़ी का प्रसारण सुना। प्रधानमंत्री ने आज की 'मन की बात' में देशवासियों से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की सफलता, देश-विदेश में बने कीर्तिमानों, आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की हत्या के काले अध्याय जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए। विधायक मोतीलाल साहू ने भी पाटीदार समाज भवन में 'मन की बात' का प्रसारण सुना।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 'मन की बात' सुनने के बाद कहा कि जीवन में छोटे-छोटे प्रयास बड़े बदलाव का आधार बनते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह दृष्टिकोण हम सभी को प्रेरित करता है। यदि हम नियमित रूप से छोटे लेकिन सार्थक कदम उठाएं तो समाज और देश में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने आज के कार्यक्रम में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा भारत को ट्रेकोमा मुक्त देश घोषित करने और देश की 64 प्रतिशत आबादी को सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ मिलने संबंधी अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट का उल्लेख किया है। ये उपलब्धियां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के लिए उठाए गए ठोस कदमों का प्रमाण है। साव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने विश्व पर्यावरण दिवस और प्रकृति संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए महिला स्वसहायता समूहों द्वारा तैयार हस्तनिर्मित उत्पादों की सराहना की है।

केन्द्र व राज्य सरकार मिलकर लिख रहे बस्तर के विकास की नई गाथा -रत्नावली

बस्तर में रेल कनेक्टविटी के विस्तार पर भाजपा नेत्री कौशल ने जताई खुशी

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। भाजपा नेत्री एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल ने कहा है कि हमारी डबल इंजन वाली सरकार बस्तर को भी डबल स्पीड से विकास की पटरी पर दौड़ा रही है। जल्द ही बस्तर विकास के नए आयाम गढने् लगेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जी, रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव जी और हमारे संवेदनशील मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी बस्तर के विकास की नई गाथा लिख रहे हैं।

भाजपा नेत्री रत्नावली कौशल ने यह बातें केंद्र और छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकारों के संयुक्त प्रयासों से बस्तर संभाग में रेल और सड़क मार्ग सुविधाओं के विस्तार को लेकर कही हैं। सुश्री कौशल ने कहा है कि रावघाट-जगदलपुर रेल परियोजना की मंजूरी के बाद अब तेलंगाना के कोठागुडेम से बस्तर के किरंदुल तक रेल लाइन प्रोजेक्ट के सर्वे की पूर्णता को डबल इंजन सरकार का बस्तर के हित में ऐतिहासिक कदम करार दिया है। रत्नावली कौशल ने कहा है कि डबल इंजन की भाजपा सरकार छत्तीसगढ़ के विकास के लिए समर्पित भाव से काम कर रही है। राज्य के सबसे समृद्ध और आदिवासी बाहुल्य बस्तर संभाग को कांग्रेस की सरकारों ने हमेशा उपेक्षित रखा। आदिवासियों को अपने वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया।

भारतीय जनता पार्टी ने विष्णु देव साय के रूप में जब छत्तीसगढ़ को पहला आदिवासी मुख्यमंत्री दिया और आदिवासी अंचलों के भाग्य जाग उठे हैं। सुश्री कौशल ने कहा कि साय सरकार के आने के बाद बस्तर, सरगुजा, जशपुर, मानपुर, मोहला जैसे सभी आदिवासी बाहुल्य इलाकों में शानदार पक्की सड़कों का जाल बिछ गया है। नक्सली गतिविधियों के मामले में अति संवेदनशील माने जाने वाले बस्तर के सुदूर गांवों तक सड़क नेटवर्क का विस्तार हो चुका है।अब वहां नया रेल नेटवर्क भी आकार लेने लगा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और बस्तर के सांसद महेश कश्यप की ठोस पहल पर रावघाट- जगदलपुर रेल लाइन आकारले रही है। रावघाट से अंतागढ़ तक काम लगभग पूरा हो चुका है और रायपुर से दुर्ग, बालोद, दल्ली राजहरा होते हुए भानुप्रतापपुर के केंवटी तक यात्री ट्रेन भी चलने लगी है। इससे बस्तर के कांकेर जिले की बड़ी आबादी को आवागमन की बेहतर सुविधा मिल रही है।

भाजपा नेत्री रत्नावली कौशल ने बताया कि इसके अलावा रायपुर धमतरी से केशकाल, कोंडागांव, अंतागढ़ होते हुए जगदलपुर तक नई रेल लाइन के सर्वे को भी केंद्र सरकार ने मंजूरी दे दी है। तेलंगाना के कोठागुडेम से बस्तर के सुकमा, दंतेवाड़ा, बीजापुर जिलों से होते हुए दंतेवाड़ा जिले की खनिज नगरी किरंदुल तक सीधी रेल लाइन का सर्वे पूर्णता की ओर है। बस्तर संभाग के ये तीनों जिले अति नक्सल प्रभावित और आवागमन की सुविधा के मामले में अति पिछड़े रहे हैं।

अब रेल कनेक्टविटी मिल जाने से ये जिले भी विकास के नए प्रतिमान गढ़ेंगे। कौशल ने बस्तर में रेल सुविधा के विस्तार के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह,रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव,छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय,उप मुख्यमंत्रीद्वय अरुण साव एवं विजय शर्मा,वन मंत्री केदार कश्यप, बस्तर सांसद महेश कश्यप के प्रति आभार व्यक्त किया है।

विकास की पटरी पर तेज गति से दौड़ेगा बस्तर : दक्ष वैद्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भाजपा युवा नेता एवं हिन्द सेना समाजसेवी संगठन युवा ब्रिगेड राष्ट्रीय अध्यक्ष दक्ष वैद्य ने कहा है कि हमारी डबल इंजन वाली सरकार बस्तर को भी डबल स्पीड से विकास की पटरी पर दौड़ा रही है। जल्द ही बस्तर विकास के नए आयाम गढने् लगेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव और हमारे संवेदनशील मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बस्तर के विकास की नई गाथा लिख रहे हैं।

भाजपा युवा नेता दक्ष वैद्य ने यह बातें केंद्र और छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकारों के संयुक्त प्रयासों से बस्तर संभाग में रेल और सड़क मार्ग सुविधाओं के विस्तार को लेकर कही हैं। दक्ष वैद्य ने कहा है कि रावघाट- जगदलपुर रेल परियोजना की मंजूरी के बाद अब तेलंगाना के कोठागुडेम से बस्तर के किरंदुल तक रेल लाइन प्रोजेक्ट के सर्वे की पूर्णता को डबल इंजन सरकार का बस्तर के हित में ऐतिहासिक कदम करार दिया है।

दक्ष वैद्य ने कहा है कि डबल इंजन की भाजपा सरकार छत्तीसगढ़ के विकास के लिए समर्पित भाव से काम कर रही है। राज्य के सबसे समृद्ध और आदिवासी बाहुल्य बस्तर संभाग को कांग्रेस की सरकारों ने हमेशा उपेक्षित रखा। आदिवासियों को अपने वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया। भारतीय जनता पार्टी ने विष्णु देव साय के रूप में जब छत्तीसगढ़ को पहला आदिवासी मुख्यमंत्री दिया और आदिवासी अंचलों के भाग्य जाग उठे हैं। दक्ष वैद्य ने कहा कि साय सरकार के आने के बाद बस्तर, सरगुजा, जशपुर, मानपुर, मोहला जैसे सभी आदिवासी बाहुल्य इलाकों में शानदार पक्की सड़कों का जाल बिछ गया है। नक्सली गतिविधियों के मामले में अति संवेदनशील माने जाने वाले बस्तर के सुदूर गांवों तक सड़क नेटवर्क का विस्तार हो चुका है,अब वहां नया रेल नेटवर्क भी आकार लेने लगा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और बस्तर के सांसद महेश कश्यप की ठोस पहल पर रावघाट- जगदलपुर रेल लाइन आकारले रही है। रावघाट से अंतागढ़ तक काम लगभग पूरा हो चुका है और रायपुर से दुर्ग, बालोद, दल्ली राजहरा होते हुए भानुप्रतापपुर के केंवटी तक यात्री ट्रेन भी चलने लगी है। इससे बस्तर के कांकेर जिले की बड़ी आबादी को आवागमन की बेहतर सुविधा मिल रही है।

भाजपा युवा नेता दक्ष वैद्य ने बताया कि इसके अलावा रायपुर धमतरी से केशकाल, कोंडागांव, अंतागढ़ होते हुए जगदलपुर तक नई रेल लाइन के सर्वे को भी केंद्र सरकार ने मंजूरी दे दी है। तेलंगाना के कोठागुडेम से बस्तर के सुकमा, दंतेवाड़ा, बीजापुर जिलों से होते हुए दंतेवाड़ा जिले की खनिज नगरी किरंदुल तक सीधी रेल लाइन का सर्वे पूर्णता की ओर है।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से हितग्राही जीवन कुर्रे को बिजली बिल से मिला छुटकारा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना उपभोक्ताओं के लिए काफी लाभदायक सिद्ध हो रही है। इस योजना का लाभ लेकर कई ग्रामीण अब बिजली के खर्च से राहत पा रहे हैं और ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहे हैं।

बलौदाबाजार-भाठापारा जिला के बिलाईगढ़ विकासखंड में ऐसे ही एक प्रेरणास्त्रोत ग्राम पिपरडुला निवासी जीवन लाल कुर्रे हैं, जो पेशे से वकील हैं। अब उनके घर का बिजली बिल बेहद कम आता है, जिससे उन्हें हर महीने आर्थिक लाभ मिल रहा है।

जीवन लाल कुर्रे ने बताया कि उन्हें इस योजना की जानकारी समाचार और टेलीविजन के माध्यम से प्राप्त हुई, जिसके बाद उन्होंने स्वयं ही योजना की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन किया। हितग्राही कुर्रे ने 1,50,000 रूपए का निवेश कर अपने घर की छत पर सोलर पैनल सेटअप लगाया। इस पर उन्हें केंद्र सरकार से 63,000 रूपए की सब्सिडी प्राप्त हुई।

हितग्राही जीवन लाल कुर्रे ने योजना के संबंध में कहा कि पीएम सूर्य घर योजना ने मेरे घर को रोशन किया और बिजली बिल से छुटकारा मिला है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा दी जा रही सब्सिडी से आमजन लाभान्वित हो रहे हैं।

आर्थिक लाभ किसी भी व्यक्ति के जीवन एक बड़ा हिस्सा होता है, जिससे उसकी आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने में सहायक होता है। उन्होंने सरकार के प्रति आभार जताया और कहा कि इस योजना का लाभ लेने लोगों को चाहिए।

मोर गांव मोर पानी महाभियान के तहत जल संरक्षण की अनूठी पहल

सरगुजा जिले की ग्राम पंचायतों में 125 संरचनाओं का निर्माणए भू-जल स्तर में वृद्धि की दिशा में बड़ा कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सरगुजा जिले में मोर गांव मोर पानी महाभियान के तहत जल संरक्षण और भू.जल स्तर को बढ़ाने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर विलास भोसकर और जिला मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में मनरेगा योजना के तहत जल संवर्धन के लिए विभिन्न संरचनाओं का निर्माण तेज गति से जारी है।

जनपद पंचायत उदयपुर के पांच पंचायतों में पलकाए फुलचूहीए रिखीए ललाती और केसमा इस महाभियान का केंद्र बनी हैं। यहां पहाड़ी ढलानों पर कुल 125 संरचनाएं बनाई जा रही हैंए जिनमें स्ट्रेगर ट्रेंचए कंटूर ट्रेंचए वाटर एब्जॉरप्शन ट्रेंचए लूज बोल्डर चेक डैमए गली प्लग और डबरी शामिल हैं। इन संरचनाओं का मुख्य उद्देश्य बरसात के मौसम में नालों के माध्यम से बहकर व्यर्थ जाने वाले पानी को रोकना और उसे धरती में समाहित कर भू.जल स्तर को बढ़ाना है।

इन कार्यों की योजना बनाने और कार्यान्वयन में आधुनिक त्रङ्कस् तकनीक ;जियोग्राफिक इन्फॉर्मेशन सिस्टमद्ध का उपयोग किया जा रहा है। त्रङ्कस् तकनीक की मदद से रिज टू वैली ;पहाड़ी की चोटी से घाटी तकद्ध सिद्धांत पर आधारित स्ट्रक्चर्स की प्लानिंग की गई है ताकि बारिश का पानी व्यवस्थित तरीके से संरचनाओं में एकत्र हो और अधिकतम जल संचयन हो सके।

पूर्व में इन क्षेत्रों में वर्षाजल के बहाव से बड़े पैमाने पर मिट्टी कटाव की समस्या उत्पन्न होती थी। अब इन संरचनाओं के निर्माण से न केवल जल संरक्षण होगा बल्कि मिट्टी कटाव की समस्या पर भी स्थायी समाधान मिलेगा। इन संरचनाओं से नालों का बहाव धीमा होगा और पानी धीरे.धीरे भूमि में रिसकर भू.जल भंडार को समृद्ध करेगा।

इस महाभियान से ग्रामीणों में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्य उनके गांवों की जल समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि इन कार्यों से आने वाले वर्षों में सिंचाईए पीने के पानी और पर्यावरण संरक्षण में बड़े बदलाव दिखेंगे।

कलेक्टर विलास भोसकर ने मार्गदर्शन में मोर गांव मोर पानी महाभियान के तहत जिले में जल संरक्षण की दिशा में हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि यह अभियान जिले में जल संकट दूर करने में मील का पत्थर साबित हो। जिला मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण जनसहभागिता से किया जा रहा है ताकि लोगों में भी जल के प्रति जागरूकता बढ़े और वे अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

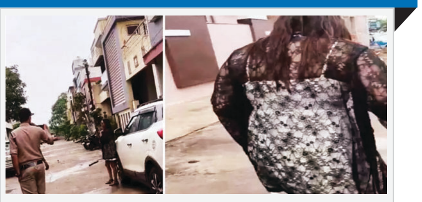

नशे में धुत युवतियों ने किया सोसाइटी अध्यक्ष पर चाकू से हमला

रायपुर। राजधानी के एक पॉश इलाके गैलेक्सी आईलैंड सोसाइटी में रविवार रात नशे में धुत दो युवतियों ने जमकर उत्पात मचाया। आरोपी युवतियों किरण सिंह राजपूत और रेशमा किरण ने न केवल सोसाइटी परिसर में तोड़फोड़ की बल्कि सोसाइटी अध्यक्ष राजेश सिंह पर चाकू से हमला कर उन्हें घायल भी कर दिया। घटना के दौरान गाड़ियों और घर के शीशों को भी नुकसान पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार आरोपी युवतियां अक्सर सोसाइटी परिसर में कुछ युवकों के साथ नशा करती हैं। घटना वाली रात भी वे शराब के नशे में धुत थीं और किसी बात को लेकर बहस इतनी बढ़ गई कि मामला मारपीट और चाकूबाजी तक पहुंच गया। घटना के समय सोसाइटी अध्यक्ष राजेश सिंह ने युवतियों को समझाने की कोशिश की लेकिन आरोप है कि दोनों महिलाओं ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी।

विवाद इतना बढ़ गया कि युवतियों ने पहले तो राजेश सिंह के सिर पर हमला किया और फिर चेहरे पर चाकू मार दिया। घायल अवस्था में उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया। पुलिस को सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची आजाद चौक थाना टीम ने दोनों महिलाओं को हिरासत में लिया और पूछताछ के बाद एफआईआर दर्ज कर ली है।

अंबिकापुर में अधेड़ पर दुष्कर्म का मामला दर्ज, गिरफ्तार

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ में आए दिन दुष्कर्म जैसी गंभीर वारदातों को अंजाम दिया जा रहा है। प्रदेश के अलग-अलग जिलों से आए दिन दुष्कर्म की खबर निकलकर सामने आती है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला गांधीनगर पुलिस थाना क्षेत्र का है। यहां एक अधेड़ व्यक्ति ने नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म किया। इतना ही नहीं आरोपी ने लड़की को धमकी दी और कई बार उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया है। आरोपी की इस हरकत से परेशान होकर नाबालिग ने अपने परिजनों को बताई। बेटी के मुंह से आपबीती सुनकर परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई। परिजन तत्काल बच्ची को लेकर गांधीनगर थाने पहुंचें और आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट समेत कई गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी अधेड़ व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है।

कलेक्ट्रेट परिसर में बड़ी वारदात

सुकमा। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्टर कार्यालय के परिसर स्थित एटीएम को लूटने का प्रयास किया गया। आरोपी कुल्हाड़ी से एटीएम को तोड़कर जैसे ही पैसे निकलने वाला ही था, तब तक मौके पर पुलिस पहुंच गई। पुलिस को देख आरोपी भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन पुलिस ने उसे धरदबोचा। दरअसल, कलेक्टर परिसर के भीतर स्थित एटीएम पंजाब नेशनल बैंक का जिला मुख्यालय का एकमात्र एटीएम है। देर रात 2 बजे बॉम्बे स्थित हेड क्वार्टर में सायरन बजा, जिसके बाद आनन-फानन में जिले के बड़े अधिकारियों को फोन आया, और फिर पुलिस हरकत में आई। पुलिस गाड़ी को देख आरोपी देवेंद्र यादव ने भागने का प्रयास किया, लेकिन वह पकड़ा गया। मामले में सुबह बैंक के कर्मचारी ने थाने पहुंचे एफआईआर दर्ज कराई, जिसके बाद आगे की कारवाई की जा रही है।

दुर्ग जिले में घर बैठे पार्ट टाइम जॉब का ऑफर, रिसाली में 10 लाख रुपए की ठगी की शिकार हुई एक दंपति

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। ऑनलाइन फ्रॉड के प्रति अवेयरनेस के बीच शातिर ठग रोज नए नए तरीकों से ठगी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। डिजिटल अरेस्ट के प्रति अभी लोग जागरुक हो रहे हैं और इस बीच पार्ट टाइम जॉब का ऑपर देकर ठगी की जा रही है। ताजा मामले में रिसाली की एक दंपति इस प्रकार पार्ट टाइम जॉब के झांसे में आकर 10 लाख से ज्यादा की रकम ठगों को दे बैठा। टेलीग्राम अकाउंट में आए मैसेज से इनके रुपए लुट गए। इस मामले में साइबर थाना दुर्ग रेंज में शिकायत की गई है। इस मामले में साइबर थाना दुर्ग रेंज द्वारा धारा 66D-आईएनएफ, 318(4)-बीएनएस, 336-बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

जॉब ऑफर के नाम पर ठगी यह घटना मैत्री नगर रिसाली निवासी स्वराज बेनर्जी व उसकी पत्नी प्रिया बेनर्जी के साथ हुई है।

विश्वास में लेकर दिए 32 टास्क पूरे करने का लक्ष्य

इस तरह से विश्वास में लेकर हमें बताया गया कि पूरे 32 टास्क पूरे करने हैं। इसके बाद एक टेलीग्राम आईडी में हमें एक लिंक भेजा गया। उस लिंक में जाकर विडियो को लाईक एंव कमेन्ट करके उसका स्क्रीन शाट लेकर टेलीग्राम आईडी @gemini_receptionw में भेजते थे। स्वराज बेनर्जी ने बताया कि उन्होंने उस आईडी में कुल 6 टास्क पूरे किए। इसके लिए 1010 रुपए लगाने कहा गया। 1010 रुपए अंजली के भेजे गये युपीआई आईडी में डाल दिये। फिर उन्हें एक नया टेलीग्राम आईडी का लिंक भेजा जिसके बाद हम उस दिये गये टेलीग्राम आईडी @GEMINI_Sandeep में लिंक के माध्यम से जुड़ गये। हमने टास्क कम्पलीट किया। इससे 1500 एंव 4310 रुपए मिले।

दंपत्ति को हुआ फ्रॉड होने का शक, दर्ज कराई शिकायत

इसेक बाद आईडी के माध्यम से ही 28500 रुपए का फाईन देने कहा गया। कमाई होता देख स्वराज बेनर्जी ने 28500 रुपए युपीआई आईडी Himanshuforonlinework-v@okicici में डाल दिये। कुछ समय बाद खता फ्रीज होने का डर दिखाकर उनके द्वारा फिर से 78888 रुपए की मांग की गई। दंपति ने यह मांग भी पूरी कर दी। इसके बाद कभी क्रेडिट स्कोर कम होने की बात करते तो कभी कुछ। इस तरह लगातार रुपए की डिमांड होने लगी। इससे स्वराज बेनर्जी को लगने लगा कि उसके साथ फ्रॉड हो रहा है। इसके बाद उन्होंने साइबर थाना में जाकर इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई। साथ ही उन्होंने कब कब कितने रुपए ट्रांसफर किए इसकी जानकारी भी साइबर पुलिस को दी है। फिलहाल इस मामले में साइबर पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्वराज बेनर्जी ने इस संबंध में शिकायत करते हुए बताया कि 25 जून को उसकी पत्नी प्रिया बेनर्जी के टेलीग्राम आईडी पर @Viddhisharma की आईडी से पार्ट टाईम जाब का मैंसेज आया। इसमें कहा गया कि जिसमें यूट्यूब का लिंक भेजेंगे, वीडियो देखकर लाईक एंव कमेंट कर उसका स्क्रीन शॉट लेकर एक अन्य टेलीग्राम आईडी @gemini_receptionw भेजना है। ऐसा करने पर @Viddhisharma आईडी से सैलरी कोड AG4506 दिया। उक्त सैलरी कोड को हमने @gemini_receptionw आईडी में भेजे। उसके बाद @gemini_receptionw आईडी में हमें काम समझाया गया एंव मेरे युपीआई आईडी में 150 रुपए मिल गए।

प्रतिबंध के बाद भी दुकान में मिला हुक्का पॉट और फ्लेवर, दो आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। जिले में प्रतिबंध के बाद भी हुक्के के कारोबार पर अंकुश नहीं है। शहर के पान दुकानों में हुक्का पॉट और फ्लेवर की खुलेआम बिक्री हो रही है। पुलिस ने 2 दुकानों में छापेमारी कर करीब 2.50 लाख रुपए कीमती हुक्का पॉट और फ्लेवर जब्त की। वहीं, 2 व्यापारी को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। मामला तारबाहर थाना क्षेत्र का है।

पुलिस को जानकारी मिली कि अग्रसेन चौक और सीएमडी कॉलेज चौक के पास पान दुकान में हुक्के का सामान मिल रहा है, जिस पर एसएसपी रजनेश सिंह से मार्गदर्शन लेकर पुलिसकर्मियों ने दबिश दी। इस दौरान अग्रसेन चौक स्थित गुप्ता पान दुकान की जांच के दौरान बड़ी मात्रा में हुक्के का फ्लेवर जब्त किया गया। जब्त सामानों की कीमत 28 से 30 हजार रुपए बताई जा रही है। जिसके बाद टीम ने सीएमडी चौक स्थित प्रदीप वाधवानी (42) की पुराना बस स्टैंड स्थित दुकान में छापेमारी की। यहां भी बड़ी मात्रा में हुक्के का फ्लेवर बरामद हुआ।

दुकान संचालक प्रदीप वाधवानी से पूछताछ के बाद पुलिस ने उसके घर की भी तलाशी ली, जहां वो हुक्के का फ्लेवर कार्टून में छिपाकर रखा था। उसके पास से करीब 2 लाख 28 हजार रुपए का सामान और बिक्री रकम जब्त किया गया। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस दुकान संचालक प्रदीप वाधवानी और सरकंडा के राजकिशोर नगर निवासी पवन गुप्ता (24) को पकड़ कर थाने ले आई। दोनों के खिलाफ प्रतिंबंधित हुक्का का कारोबार करने पर कोटपा एक्ट के साथ ही प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की गई।

पशु तस्करों के खिलाफ पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में अवैध पशु तस्करी पर पुलिस ने कड़ी कार्रवाई की है। लालबाग थाना पुलिस ने 2 गाड़ियों को रोककर तलाशी ली, जिसमें 6 भैंस बरामद हुईं। सभी भैंस की कुल कीमत 13 लाख 40 हजार बताया जा रहा है। पुलिस ने भैंसों को कब्जे में लिया और दोनों वाहनों को जब्त करते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2 चार पहिया वाहन जब्त किए हैं।

लालबाग पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दो पिकअप वाहनों से अवैध रूप से मवेशी भरकर दुर्ग से नागपुर की ओर कत्लखाने ले जाए जा रहे हैं। इस सूचना पर फरहद चौक में चेकिंग प्वाइंट लगाया गया। चेकिंग के दौरान एक सफेद रंग का बिना नंबर का पिकअप वाहन रोका गया। इसमें चार नग भैंस, जिनकी अनुमानित कीमत 6 लाख 15 हजार रुपये बताई गई, भरी हुई थीं। वहीं, एक अन्य वाहन (दोस्त प्लस एलएस वाहन क्रमांक CG-04-NL-6724) की तलाशी में दो नग भैंस, जिनकी कीमत 7 लाख 31 हजार रुपये आंकी गई, बरामद की गई।

पुलिस ने जब आरोपियों से मवेशियों की खरीद-बिक्री या परिवहन से संबंधित दस्तावेज मांगे, तो वे कोई भी वैध कागजात पेश नहीं कर सके। इस पर मौके पर ही गवाहों के समक्ष मवेशी और दोनों वाहन जप्त कर लिए गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना लालबाग में दो अलग-अलग अपराध क्रमांक क्रमशः 297/25 और 298/25 धारा 4, 6, 10 छत्तीसगढ़ कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। गिरफ्तार सभी चार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। पुलिस की इस कार्रवाई से पशु तस्करों में हड़कंप मच गया है।

बहला-फुसलाकर नाबालिग से मंदिर में की शादी, आरोपी को रायपुर से किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

मोहला-मानपुर। जिले में एक नाबालिग लड़की के अपहरण और अनाचार के मामले में पुलिस ने रायपुर निवासी एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पीड़िता को बहला-फुसलाकर अगवा किया और मंदिर में मांग भरकर उसे पत्नी का रूप देकर अपने रायपुर स्थित घर में रखा था। मानपुर थाना पुलिस ने मामले की सूचना मिलने के बाद आरोपी के घर पर दबिश दी और उसे मौके से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वहीं पीड़िता को सकुशल बरामद कर परिजनों के हवाले कर दिया गया है।

पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। नाबालिग का मेडिकल परीक्षण भी कराया गया है और आरोपी से पूछताछ जारी है। यह मामला बाल सुरक्षा कानूनों की गंभीर अवहेलना से जुड़ा हुआ है और पुलिस इसे संवेदनशील मामला मानते हुए तेजी से निपटा रही है। मानपुर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर ईश्वर ध्रुव ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि एक क्षेत्रवासी महिला ने बीते 25 जून को बतौर प्रार्थी मानपुर थाने में पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि 23 जून को अपराह्न करीब 3 बजे उसकी नाबालिग बेटी घर वालों को बिना कुछ बताए कहीं चली गई है। रिपोर्ट में प्रार्थी महिला ने संदेह जाहिर किया कि कोई

अज्ञात व्यक्ति उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले गया है।

महिला की रिपोर्ट पर थाने में धारा 137 (2) बीएनएस कायम कर मामले की विवेचना पुलिस ने शुरू की। विवेचना के दौरान उच्च अधिकारियों के मार्गदर्शन से थाना प्रभारी ईश्वर ध्रुव के नेतृत्व में एक टीम गठित कर पुलिस ने उक्त नाबालिक लड़की की गहन पता तलाश किया गया। पता तलाश व विवेचना के दरमियान विभिन्न कड़ियों से कड़ी जोड़कर मानपुर पुलिस की टीम रायपुर पहुंची तथा संदेह के दायरे में आए रायपुर के ट्रांसपोर्ट नगर वार्ड नंबर 12 निवासी 18 वर्षीय युवक किशन रजक के घर पर दबिश दी। जहां उक्त नाबालिक लड़की पुलिस को मिली। लड़की को अपने कब्जे में लेकर पुलिस द्वारा युवक किशन रजक को भी गिरफ्तार कर मानपुर थाने लाया गया।

नाबालिक लड़की की बरामदगी उपरांत दस्तयाब कर महिला पुलिस अफसर से नाबालिक लड़की का कथन लिया गया। पुलिस के मुताबिक लड़की के कथन में पाया गया कि आरोपी किशन रजक गिफ्ट लेने जाने के बहाने लड़की को उसके गृहग्राम से बालोद जिले के झलमला ग्राम स्थित गंगा मैया मंदिर ले गया। मंदिर में आरोपी युवक ने नाबालिक लड़की की मांग भरकर उससे शादी कर ली और अपने रायपुर स्थित निवासगृह में लड़की को लेजाकर उसके साथ आरोपी युवक ने मना करने के बावजूद जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाया। नाबालिक लड़की के उक्त कथन के आधार पर थाने में दर्ज प्रकरण में धारा 65(1), 83 बीएनएस व 4, 6 पॉक्सो एक्ट जोड़ा गया। साथ ही दर्ज धाराओं के तहत आरोपी किशन रजक पिता प्यारे लाल रजक को न्यायालय में पेश कर राजनांदगांव जिला जेल दाखिल करा दिया गया।

धर्मांतरण: दो पक्षों की शिकायत पर पुलिस ने शुरू की जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में आए दिन धर्मांतरण को लेकर विवाद होते रहता है। इस बार तोरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत केवटपारा में रविवार को धर्मांतरण के आरोप को लेकर माहौल गरमा गया। एक ओर जहां हिंदू संगठनों ने प्रार्थना सभा की आड़ में धर्मांतरण का आरोप लगाया। वहीं ईसाई समुदाय ने हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं पर मारपीट और पथराव का आरोप लगाया है। पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर से शिकायत दर्ज कर ली है और जांच में जुट गई है।

घटना की शुरुआत उस वक्त हुई जब हिंदू संगठनों से जुड़े लोग केवटपारा में प्रार्थना सभा स्थल पर पहुंचे और वहां चल रही गतिविधियों को धर्मांतरण से जोड़ते हुए विरोध जताया। इसके बाद करीब 500 की तादाद में हिंदू संगठन के लोग थाने पहुंचकर

धर्मांतरण के विरोध में जमकर नारेबाजी की। वहीं दूसरी ओर ईसाई समुदाय के लोग भी तोरवा थाने पहुंचे और हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं के खिलाफ जबरदस्ती घर में घुसकर तोड़फोड़ और मारपीट का आरोप लगाया। साथ ही उन्होंने पथराव किए जाने की भी बात कही। मामले की गंभीरता को देखते हुए दोनों पक्षों की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। थाने में प्रदर्शन के दौरान थाने के आस पास माहौल गरमाता रहा। वहीं मौके पर पुलिस के तमाम आला अधिकारी मौके पर मौजूद रहे और बड़ी संख्या में बल की तैनाती भी करनी पड़ी।

एएसपी राजेंद्र जायसवाल ने बताया कि केवटपारा में एक समुदाय विशेष के लोग एक मकान में उपस्थित होकर अपना कार्यक्रम कर रहे थे। उसी दौरान दूसरे समुदाय के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच वाद-विवाद हुआ। इस विवाद के बाद दोनों पक्ष के लोग तोरवा थाना आए थे। पुलिस ने दोनों पक्षों से शिकायत प्राप्त कर जांच में जुट गई है। मामले की जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

युवक की पत्थर से बंधी नदी में मिली लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के लोरमी में 22 वर्षीय युवक दशरथ वर्मा की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या का मामला सामने आया है। युवक की लाश मनियारी नदी में पत्थर से बंधी हुई हालत में बरामद की गई है, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई है। यह घटना भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दिन की है, जब पूरा क्षेत्र भक्ति में डूबा था। उसी शाम डबरी पारा निवासी दशरथ वर्मा अपने दोस्तों के साथ घूमने जाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन देर रात तक लौटकर नहीं आया।

परिजन द्वारा अगली सुबह उसकी तलाश शुरू की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर उसकी खोजबीन शुरू की। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि युवक की लाश मनियारी नदी में कंकालिन मंदिर के पीछे स्थित घाट में है। इस पर पुलिस एसडीआरएफके गोताखोरों की टीम लेकर घटनास्थल पर पहुंचकर युवक की लाश को नदी से बाहर निकाली।

मिली जानकारी के मुताबिक शनिवार की शाम को मारपीट के एक अन्य मामले में पुलिस ने चार नशेड़ियों को हिरासत में लिया था। अपराधी प्रवृत्ति के ये युवक चाकूबाजी के मामले में पहले भी पकड़े जा चुके हैं। इन्हीं में से एक युवक की मृतक दशरथ से रंजिश थी। जब इसी युवक से पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो उसने चौंकाने वाला खुलासा किया। उसने बताया कि दशरथ की हत्या कर लाश को मनियारी नदी में फेंक दिया गया है। पुलिस ने जब गोताखोरों की मदद से लाश को नदी से बाहर निकाला तो उसकी भी आंख खुली की खुली रह गई। मृतक के शरीर में सीने के पास धारदार हथियार के कई जख्म भी नजर आए। वहीं हाथ और पैर तार से बंधे हुए थे। इसके अलावा दशरथ की बॉडी को एक बड़े पत्थर से बांधकर नदी में फेंक दिया गया था। मिली जानकारी के मुताबिक मृतक और इस घटना क्रम में शामिल दूसरे आरोपियों की आपस में दोस्ती भी थी। ये सभी युवक नशे के आदि भी बताए जा रहे हैं जो कि आए दिन शहर में दहशतगर्दी फैलाते हैं। फिलहाल पुलिस अभी हिरासत में लिए गए चारों संदेहियों से पूछताछ कर रही है ।

मुख्यमंत्री साय ने नवनिर्मित आधुनिक आयुर्वेदिक प्रसंस्करण इकाई और केन्द्रीय भंडार गृह परिसर का किया लोकार्पण

27.87 एकड़ क्षेत्र में 36.47 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित है आधुनिक आयुर्वेदिक प्रसंस्करण इकाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दुर्ग जिले के पाटन विधानसभा के अंतर्गत ग्राम जामगांव (एम) में छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ मर्यादित द्वारा निर्मित आधुनिक आयुर्वेदिक औषधि प्रसंस्करण इकाई एवं केन्द्रीय भंडार गृह परिसर तथा स्प्रेयर बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप अंतर्गत निर्मित हर्बल एक्सट्रेक्शन इकाई का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ पूरा कर रही है। हमारी सरकार डेढ़ वर्षों से लगातार विकास की दिशा में अग्रसर है। तीन करोड़ जनता से किए गए वचनों को हम प्राथमिकता से पूरा कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि तीन नई हर्बल इकाइयों से लगभग दो हजार लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। छत्तीसगढ़ का 44 प्रतिशत भू-भाग वन क्षेत्र से आच्छादित है, जो हमारे लिए सौभाग्य का विषय है। आयुर्वेदिक औषधियों की कच्ची सामग्रियां जंगलों से एकत्र कर संयंत्रों तक पहुंचाई जाएंगी, जिससे वनवासियों को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि यह प्रसंस्करण इकाई मध्य भारत की सबसे बड़ी इकाई है और आयुर्वेदिक औषधि निर्माण के क्षेत्र में एक मील का पत्थर सिद्ध होगी। इससे न केवल स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा, बल्कि छत्तीसगढ़ की पहचान राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयुर्वेदिक केंद्र के रूप में स्थापित होगी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए सरकार ने संग्रहण दर 4,500 रुपए से बढ़ाकर 5,500 रुपए प्रति मानक बोरा कर दी है, जिससे लगभग 13 लाख तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही पूर्ववर्ती सरकार में बंद की गई 'चरण पादुका योजना' को पुनः प्रारंभ किया गया है, जिसके अंतर्गत आज पांच हितग्राही महिलाओं को चरण पादुका वितरित की गई।

मुख्यमंत्री ने लोगों से 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी माँ के नाम पर कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए और उसका संरक्षण करना चाहिए। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ ही माँ के प्रति सम्मान भाव भी बना रहेगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 44.10 प्रतिशत वनाच्छादित क्षेत्र है, जिससे वनोपज की बहुलता है। यह प्रसंस्करण इकाई मध्य भारत की सबसे बड़ी इकाई है। इसके प्रारंभ से वनोपज का संग्रहण, प्रसंस्करण और विपणन सुगम होगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का वनोपज अब वैश्विक बाजार में अपनी पहचान बनाएगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में 67 प्रकार की वनोपज का संग्रहण किया जाता है, जिससे 13 लाख 40 हजार वनवासियों को सीधा लाभ मिलेगा। कश्यप ने कहा कि 'मोदी की गारंटी' के अनुरूप 'चरण पादुका योजना' को पुनः प्रारंभ किया गया है।

महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी कैलाशनंद गिरी जी महाराज ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आयुर्वेदिक औषधियों की महत्ता पर प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री साय ने लोकार्पण से पूर्व प्रसंस्करण इकाई परिसर में आंवला का पौधा रोपित किया। इसके साथ ही वन मंत्री कश्यप ने सीताफल का पौधा, सांसद विजय बघेल ने बेल तथा महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 डॉ. स्वामी कैलाशानंद गिरी जी महाराज ने भी सीताफल का पौधा रोपित किया।

उल्लेखनीय है कि आयुर्वेदिक प्रसंस्करण इकाई छत्तीसगढ़ की समृद्ध वन संपदा को विज्ञान और आधुनिक तकनीक से जोड़कर 'फॉरेस्ट टू फार्मेसी मॉडल' को साकार करने की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। 27.87 एकड़ क्षेत्र में 36.47 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित यह इकाई प्रतिवर्ष 50 करोड़ रुपए मूल्य के उत्पाद तैयार करेगी।

यहां प्रदेश के वनों से प्राप्त औषधीय और लघु वनोपज जैसे महुआ, साल बीज, कालमेघ, गिलोय, अश्वगंधा आदि का संगठित एवं वैज्ञानिक प्रसंस्करण कर चूर्ण, सिरप, तेल, टैबलेट एवं अवलेह जैसे गुणवत्तापूर्ण उत्पाद निर्मित होंगे। यह इकाई 'छत्तीसगढ़ हर्बल्स' ब्रांड के तहत प्रदेश के उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहचान दिलाने का प्रमुख केंद्र बनेगी।

परियोजना के अंतर्गत 2,000 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। इसमें बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित होगी, जिससे उन्हें स्वरोजगार मिलेगा। वहीं युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त होने से स्थानीय स्तर पर आजीविका के नए द्वार खुलेंगे।

इकाई में आधुनिक वेयरहाउस की 20,000 मीट्रिक टन की संग्रहण क्षमता विकसित की गई है, जिससे मौसमी वनोपजों के दीर्घकालीन संरक्षण एवं गुणवत्ता नियंत्रण में सहायता मिलेगी। यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' एवं 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन को साकार करती है। यह न केवल वन उत्पादों के स्थानीय मूल्य संवर्धन का उदाहरण प्रस्तुत करती है, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन, आर्थिक विकास और सामाजिक समावेशिता को भी सशक्त बनाती है।

मुख्यमंत्री साय की दिखी संवेदनशीलता: अपने हाथों से पहनाई चरणपादुका

इस अवसर पर मानवीय संवेदनशीलता और सम्मान का अनूठा दृश्य भी देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ग्राम बढ़भुम (जिला बालोद) की हितग्राही शकुंतला कुरैटी को स्नेहपूर्वक अपने हाथों से चरण पादुका पहनाई। मुख्यमंत्री साय की पहल से प्रेरित होकर वन मंत्री सहित अन्य अतिथियों ने भी हितग्राहियों वैजयंती कुरैटी, निर्मला उईके, ललिता उईके तथा श्रीमती अघनतीन उसेंडी को अपने हाथों से चरण पादुका पहनाई

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुनी 'मन की बात' की 123वीं कड़ी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों ने बढ़ाया उत्साह, छोटे प्रयासों से बड़े बदलाव की अपील : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री निवास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को सुना और इसे प्रेरणादायी बताया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से देश के कोने-कोने में हो रहे नवाचारों, जन-भागीदारी और सकारात्मक प्रयासों की चर्चा करते हैं, जिससे राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित लोगों को पहचान और सम्मान मिलता है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों से प्रेरणा लेकर छत्तीसगढ़ में जनभागीदारी के साथ स्वास्थ्य और प्रकृति की रक्षा के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज के 'मन की बात' कार्यक्रम में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उपयोगी जानकारियां साझा की। प्रधानमंत्री ने स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में चल रहे नवाचारों के बारे में बताया है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जीवन में छोटे-छोटे प्रयास बड़े बदलाव का आधार बनते हैं। प्रधानमंत्री मोदी का यह दृष्टिकोण हम सभी को प्रेरित करता है और यदि हम नियमित रूप से छोटे लेकिन सार्थक कदम उठाएं, तो समाज और देश में व्यापक सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री देश की छोटी-छोटी से लेकर बड़ी उपलब्धियों पर भी अपनी बात साझा करते हैं और उसकी सराहना करते हैं। श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने योग दिवस की भव्यता, पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी, महिला सशक्तिकरण, भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की उपलब्धि, 1975 के आपातकाल और भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की वियतनाम यात्रा और भारत के ट्रेकोमा मुक्त होने जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत हम सभी का संकल्प है और राष्ट्र को आगे ले जाने के लिए छत्तीसगढ़ हर मोर्चे पर दृढ़ संकल्प के साथ खड़ा है।

इस अवसर पर निरंजन पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशनंद गिरी जी महाराज, केंद्रीय राज्य मंत्री महिला एवं बाल विकास सावित्री ठाकुर, कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक राजेश मूणत, विधायक अनुज शर्मा, विधायक राजेश अग्रवाल, विधायक संपत अग्रवाल, विधायक प्रबोध मिंज, राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा, सीजीएमएससी के चेयरमैन दीपक म्हस्के, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष श्री अमरजीत छाबड़ा, वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैंकरा, छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड की अध्यक्ष शालिनी राजपूत सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय से केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने की सौजन्य मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में केंद्रीय राज्य मंत्री महिला एवं बाल विकास सावित्री ठाकुर ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने ठाकुर के साथ प्रदेश में महिलाओं और बच्चों के कल्याण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार राज्य के सर्वांगीण विकास के संकल्प के तहत विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों को सशक्त बनाने पर ध्यान दे रही है। उन्होंने बताया कि नक्सल प्रभावित बीजापुर, सुकमा, कांकेर, दंतेवाड़ा और नारायणपुर जिलों में नियद नेल्लानार योजना के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 159 आंगनबाड़ी केंद्रों का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। यह पहल उन दुर्गम क्षेत्रों में शासन की योजनाओं को सीधे अंतिम पंक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

मुख्यमंत्री साय ने यह भी अवगत कराया कि महतारी वंदन योजना अंतर्गत मार्च 2024 से जून 2025 की अवधि में 70 लाख से अधिक महिलाओं को ?10,431.30 करोड़ की राशि सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की गई है। इससे महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत आधार मिला है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने केंद्रीय राज्य मंत्री ठाकुर को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। मुलाकात के दौरान प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े और राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा उपस्थित थीं।

मुख्यमंत्री साय नन्हें बच्चों के बीच बैठकर स्मार्ट क्लास-रूम से हुए रू-ब-रू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शनिवार को जशपुर जिले के कांसाबेल के बगिया हाईस्कूल में नन्हें बच्चों के बीच बैठकर स्मार्ट क्लास-रूम से रू-ब-रू हुए। वे 'सम्पर्क स्मार्ट स्कूल' कार्यक्रम के शुभारंभ के दौरान कक्षा तीसरी और चौथी की बालिकाओं के बीच बैठे और बड़ी आत्मीयता से उनकी पढ़ाई-लिखाई के बारे में पूछा।

मुख्यमंत्री साय ने बगिया में तीसरी कक्षा में पढ़ने वाली डॉली गुप्ता से उसका और उसके गांव का नाम पूछकर दुलारते हुए कहा, पढ़ाई ठीक से करना है नज मोबाइल ज्यादा नहीं देखना। उन्होंने सभी बच्चों को मोबाइल ज्यादा नहीं देखने और पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने को कहा।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार संपर्क फाउंडेशन के सहयोग से जशपुर जिले के 50 प्राथमिक शालाओं में 'सम्पर्क स्मार्ट स्कूल-स्मार्ट ब्लॉक' कार्यक्रम संचालित कर रही है। शासकीय स्कूलों को निजी स्कूलों से बेहतर बनाने और कक्षा में सीखने की गुणवत्ता में सुधार करने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसके तहत संपर्क फाउंडेशन सभी स्कूलों को निःशुल्क टीवी सेट और सम्पर्क टीवी स्मार्ट स्कूल किट प्रदान करेगा। राज्य शासन की इस पहल से करीब 3200 बच्चों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। इन स्कूलों में कार्यरत 120 शिक्षकों को टीचिंग-लर्निंग मटेरियल्स उपलब्ध कराने के साथ ही संपर्क की प्रभावी शिक्षण पद्धति का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

सम्पूर्ण विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने तेजी से कार्य कर रही मोदी सरकार - उद्योग मंत्री देवांगन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के उद्योग,एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा है कि सन 2047 तक सम्पूर्ण विकसित भारत बनाने के लक्ष्य को पूरा करने, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार तेजी से कार्य कर रही है, विगत 11 वर्षो में प्रधानमंत्री मोदी ने देश के विकास को जो रफ्तार दी है, वह अपने आप में ऐतिहासिक है। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मोदी की गारंटियों को अल्प समय में पूरा कर यह साबित किया है कि हमारी सरकार आमजनता की हितैषी सरकार है।

पुनर्वास ग्रामों की समस्याओं पर त्वरित एक्शन लें प्रतिष्ठान

उद्योग मंत्री देवांगन ने एन.टी.पी.सी. सहित अन्य प्रतिष्ठानों के पुनर्वास ग्रामों की समस्याओं का जिक्र करते हुए कहा कि सार्वजनिक व औद्योगिक प्रतिष्ठान पुनर्वास ग्रामों की समस्याओं पर त्वरित एक्शन लें, यह मेरा आग्रह भी है और निर्देश भी। उन्होने कहा कि पुनर्वास ग्रामों की समस्याओं के निराकरण एवं आवश्यकतानुसार वहाँ के समग्र विकास का कार्य प्रतिष्ठान सर्वाच्च प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित कराएं। उन्होने कहा कि विस्थापित ग्रामों के नागरिकों का दर्द क्या होता है, यह वहीं व्यक्ति समझ सकता है जो इस दर्द से गुजरा हुआ हो, अतः इन ग्रामों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील होना प्रतिष्ठानों का नैतिक व सामाजिक दायित्व भी है।

कोरबा में विकास पुरूष की छबि बनी है उद्योग मंत्री देवांगन की

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन की छबि कोरबा में एक विकास पुरूष के रूप में निर्मित हुई है, उन्होने अपने महापौर कार्यकाल के दौरान कोरबा का जिस तरह से विकास किया, वह अपने आप में अद्वितीय है, अब वे प्रदेश के उद्योग मंत्री है, 15 माह में मंत्री देवांगन ने कोरबा में विकास को जो गति दी है, वह अपने आप में काबिले तारीफहै, मुझे प्रसन्नता है कि उनके मार्गदर्शन में मुझे जनसेवा का अवसर मिल रहा है, महापौर श्रीमती राजपूत ने उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि उद्योग मंत्री देवांगन एवं मुझ से आपकी जो भी अपेक्षाएं होगी वह अवश्य पूरी की जाएंगी।

कोरबा का समग्र विकास-एकमात्र लक्ष्य

इस अवसर पर निगम के वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन ने कहा कि नगर निगम कोरबा क्षेत्र के सभी वार्डो का समग्र विकास हो, हमारे देवतुल्य नागरिकबंधुओं को सभी मूलभूत सुविधाएं मिले, सड़क, नाली, पानी, बिजली जैसी आवश्यक सुविधाओं में कोई कमी न हो, यह हमारा एकमात्र लक्ष्य है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री व नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव तथा उद्योग मंत्री एवं कोरबा लाडले विधायक लखनलाल देवांगन का भरपूर मार्गदर्शन व आशीर्वाद हमें प्राप्त हो रहा है। इस मौके पर पार्षद देवांगन ने वार्ड क्र. 18 कोहड़िया में कराए गए करोड़ों रूपये के विकास कार्यो का जिक्र करते हुए कहा कि नगर निगम कोरबा के अन्य वार्डो के साथ-साथ इस वार्ड में भी जनताजनार्दन की इच्छा व उनकी मांग के अनुरूप विकास कार्य किए जा रहे हैं, जो आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

उन्होने विशेष रूप से रेखांकित करते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंह ने अपने कार्यकाल के दौरान दर्जनों जनहितैषी योजनाएं चालू की थी, जो पूर्ववर्ती सरकार ने बंद कर दी थी, अब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय पुनः उन योजनाओं का क्रियान्वयन कर समाज के गरीब, निर्धन, बेसहारा, असहाय के साथ-साथ अंतिम छोर में खड़े व्यक्ति तक इनका लाभ पहुंचा रहे हैं।

उक्त बातें उद्योग मंत्री देवांगन ने कल शनिवार को कोहड़िया में आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान कहीं। नगर पालिक निगम कोरबा के द्वारा एन.टी.पी.सी. के सी.एस.आर. मद से प्रदत्त राशि से वार्ड क्र. 18 कोहड़िया में 01 करोड़ 82 लाख 83 हजार रूपये की लागत से जर्जर डामरीकृत सड़कों का सुदृढ़ीकरण का कार्य कराया गया है। कल उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने लोकार्पण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उक्त महत्वपूर्ण कार्य का लोकार्पण किया, कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के द्वारा की गई, वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में पार्षद नरेन्द्र देवांगन के साथ ही अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे। इस मौके पर उद्योग मंत्री देवांगन ने अपने उद्बोधन में आगे कहा कि प्रदेश में हमारी सरकार बने 16 माह हुए हैं, इस अवधि में कोरबा जिले के लिए जिला खनिज न्यास मद सहित अन्य विभिन्न मदों के अंतर्गत लगभग 400 करोड़ रूपये के विकास कार्यो की स्वीकृति दी जा चुकी है, जिनमें से अनेक कार्य पूर्ण हो चुके हैं, कुछ प्रगति पर हैं तथा कुछ कार्यो की निविदा आदि की प्रक्रिया की जा रही है। उन्होने कहा कि मैं कोरबा क्षेत्र की देवतुल्य जनता को यह विश्वास दिलाता हूँ कि कोरबा के समग्र विकास के लिए कभी कोई अवरोध नहीं आने दिया जाएगा तथा क्षेत्र की जनता की मांग एवं उनकी आवश्यकता के अनुरूप ही विकास कार्यो को गति व दिशा दी जाती रहेगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950